सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

"मतलब" और "स्वार्थ" के रिश्ते, "कोयले" की तरह होते हैं,
जब "गर्म" होते हैं, तो "छूने" वाले को "जला" देते है,
और.. जब "ठंडे" होते हैं, तब हाथ
"काले" कर देते हैं ...!! अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–65 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, गुरुवार 26 मार्च 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए,

महादेव बेटिंग केस में ईडी का बड़ा एक्शन, सौरभ की 1700 करोड़ की देश–विदेश की संपत्तियां अटैच

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

चर्चित महादेव ऑनलाइन बुक बेटिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय (प्रवर्तन निदेशालय) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर की करीब 1700 करोड़ रुपए की संपत्तियां अटैच कर दी हैं। यह कार्रवाई प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत की गई है।

दुबई से दिल्ली तक फैली प्रॉपर्टी

ED द्वारा जारी प्रोविजनल अटैचमेंट ऑर्डर में दुबई (UAE) में 18 हाई-वैल्यू प्रॉपर्टी नई दिल्ली में 2 अचल संपत्तियां, शामिल हैं। इनमें बुर्ज खलीफा, दुबई हिल्स एस्टेट, बिजनेस बे और रक्षर होटल जैसी प्राइम लोकेशन पर लग्जरी विला और हाई-एंड अपार्टमेंट शामिल हैं।

अंतरराष्ट्रीय बेटिंग सिंडिकेट का हुआ खुलासा

जांच में सामने आया कि महादेव ऑनलाइन बुक एक बड़े अंतरराष्ट्रीय बेटिंग नेटवर्क के रूप में काम कर रहा था, जिसे सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल दुबई से संचालित कर रहे थे। यह नेटवर्क देशभर में फ्रेंचाइज आधारित पैनल सिस्टम से चलता था, जहां मुनाफे का 70–75% हिस्सा सीधे प्रमोटरों के पास जाता था।

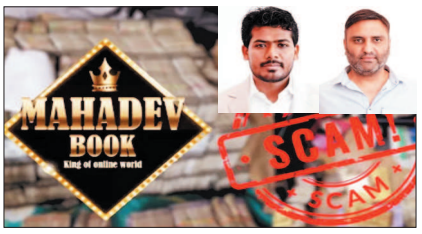

हवाला और क्रिप्टो के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग

ईडी की जांच में खुलासा हुआ कि अवैध कमाई को फर्जी बैंक खातों, हवाला नेटवर्क, क्रिप्टोकरेंसी के जरिए विदेश भेजा गया और बाद में इसे भारत व वअए में संपत्तियों में निवेश किया गया।

अब तक 4300 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति जब्त

इस मामले में अब तक ईडी ने 175 से ज्यादा ठिकानों पर छापे मारे जिसमें 13 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई और 74 लोगों को आरोपी बना चुकी है। कुल मिलाकर 4336 करोड़ रुपए की संपत्तियां कुर्क/फ्रीज की जा चुकी हैं।

भगोड़ा घोषित करने की कार्रवाई जारी

ईडी ने सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल समेत अन्य आरोपियों को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। ईडी की इस बड़ी कार्रवाई से अंतरराष्ट्रीय बेटिंग सिंडिकेट पर शिकंजा और कस गया है, और आने वाले समय में और बड़े खुलासों की संभावना जताई जा रही है।

आयुक्त पर अविश्वास व निंदा प्रस्ताव पास, सत्ता–विपक्ष एक मंच पर

भिलाई नगर पालिक निगम में बजट से बड़ा बवाल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिका निगम भिलाई की सामान्य सभा बुधवार को सिर्फ बजट तक सीमित नहीं रही, बल्कि ऐसा सियासी और प्रशासनिक भूचाल आया जिसने पूरे शहर की राजनीति को हिला कर रख दिया। महापौर नीरज पाल द्वारा अपने कार्यकाल का अंतिम बजट पेश किए जाने के बाद सदन में शुरू हुई चर्चा सीधे निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडे पर आकर ठहर गई—और नतीजा, अविश्वास प्रस्ताव और निंदा प्रस्ताव दोनों सर्वसम्मति से पारित।

बजट से शुरू, आरोपों पर आकर थमा सदन

बजट पेश होते ही विपक्ष ने इसे 4 साल का भ्रष्टाचार वाला बजट बताते हुए हमला बोला। सके बाद चर्चा का रुख पूरी तरह प्रशासनिक अनियमितताओं की ओर मुड़ गया। विपक्ष के पार्षद पीयूष मिश्रा ने एक के बाद एक गंभीर सवाल दागे— शिक्षा कर की आय-व्यय का हिसाब कहां है। निगम की संचित निधि का पूरा ब्यौरा क्यों नहीं। फ्री होल्ड मद की राशि का उपयोग किस नियम से।

धारा 54 का पाठ और सीधा वार

सदन में पीयूष मिश्रा ने छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम अधिनियम की धारा 54 पढ़कर सुनाई। जिसमें स्पष्ट है कि 3/4 पार्षद चाहें तो आयुक्त को हटाने का प्रस्ताव पारित कर सकते हैं। इसके बाद माहौल और गरमा गया।

आयुक्त के बयान से भड़का सदन

जब आयुक्त राजीव कुमार पांडे जवाब देने खड़े हुए, तो उनके मुंह से निकले एक शब्द ने आग में घी डाल दिया। बुद्धिपूर्वक चर्चा होगी तो ही मैं बैठूंगा। बस फिर क्या था—पार्षद भड़क उठे और सवाल उठा कि क्या हम बुद्धिहीन हैं? क्या यह जनप्रतिनिधियों का अपमान नहीं।

एकजुट हुआ पूरा सदन

इसके बाद जो हुआ, वह भिलाई निगम के इतिहास में कम ही देखने को मिला—सत्ता और विपक्ष एक मंच पर आ गए। आयुक्त के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित। साथ ही निंदा प्रस्ताव भी पास, अब यह प्रस्ताव राज्य शासन को भेजा जाएगा।

पहले भी विवादों में घिरे रहे आयुक्त

बीते एक साल में आयुक्त की कार्यशैली को लेकर लगातार असंतोष रहा। कई बार पार्षदों ने मनमानी, वित्तीय अनियमितता, निर्णय प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी, जैसे आरोप लगाए थे। लेकिन इस बार मामला सीधे हटाने तक पहुंच गया।

अब नजर राज्य सरकार पर

धारा 54 के तहत पारित प्रस्ताव के बाद अब गेंद राज्य सरकार के पाले में है। सबसे बड़ा सवाल—क्या आयुक्त को हटाया जाएगा या फिर इस सियासी तूफान का कोई और समाधान निकलेगा।

बजट से ज्यादा चर्चा बवाल की

भिलाई निगम का यह बजट सत्र विकास योजनाओं से ज्यादा प्रशासनिक टकराव के लिए याद रखा जाएगा। जहां एक ओर बजट में विकास के दावे हुए, वहीं दूसरी ओर पूरे सदन ने मिलकर आयुक्त के खिलाफ मोर्चा खोल दिया—और यही इस दिन की सबसे बड़ी सुर्खी बन गई।

शहर सरकार जनता का खून चूस रही है

नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिंह 4 साल

भ्रष्टाचार की सूटकेस लेकर पहुंचे उनका कहना है कि कांग्रेस शासित शहर सरकार गले तक भ्रष्टाचार में डूबी हुई है इन्होंने जनता का खून चूसने का काम किया है पूरे 4 साल आम जनता परेशान होती रही है।

अफीम के नशे में मदहोश है राज्य सरकार

एमआईसी सदस्य लक्ष्मीपति राजू ने कहा कि

भाजपा की सरकार है सुशासन की सरकार है तो जांच क्यों नहीं करवाते जिस भी एजेंसी से जांच करनी है सरकार तुम्हारी है कर लीजिए पूरी भारतीय जनता पार्टी की सरकार अफीम के नशे में डूबी हुई है वही सुभद्रा सिंह ने कहा कि प्रदेश की 47000 युवतियां गायब है सुशासन की सरकार क्या कर रही है

टैक्स वसूली एजेंसी पर बड़ा खुलासा

सदन में सबसे बड़ा मुद्दा बना संपत्ति कर वसूली एजेंसी। आरोप लगा कि टेंडर शर्तों में एजेंसी को निजी कार्यालय से काम करना था लेकिन निगम ने मुख्य कार्यालय और जोन ऑफिस में जगह दे दी। क्या एजेंसी किराया दे रही है? अगर नहीं, तो किस नियम से यह सुविधा, पार्षदों ने सवाल उठाया—क्या निगम के अधिकारी खुद बनाए नियमों को ही तोड़ रहे हैं।

शिक्षा मद की राशि पर सवाल

एक और बड़ा आरोप—शिक्षा कर की राशि को निगम के अन्य मद में खर्च किया जा रहा है। पार्षदों ने पूछा कि क्या इसके लिए सामान्य सभा से अनुमति ली गई। क्या बिना अनुमति ऐसे खर्च करना अधिनियम के खिलाफ नहीं?

22 करोड़ का सीवर टेंडर बना विवाद की जड़

नेहरू नगर में 22 करोड़ के सीवर लाइन नवीनीकरण टेंडर पर भी बड़ा विवाद हुआ। आरोप है कि टेंडर बिना सामान्य सभा की मंजूरी के जारी प्रक्रिया का उल्लंघन—पहले महापौर परिषद, फिर सामान्य सभा जरूरी, पार्षदों ने सीधे तौर पर आयुक्त की भूमिका पर सवाल खड़े कर दिए।

मंत्री यादव का बस सफर, लोगों से जुड़कर उनसे संवाद किये

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

प्रदेश के शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने सादगी और जनसेवा का एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए आम नागरिकों की तरह यात्री बस में सफर किये। धमधा से दुर्ग बस स्टैंड तक बिना किसी प्रोटोकॉल के बस में बैठे और सहयात्रियों के साथ सहजता से संवाद किये। बस में केबिनेट मंत्री की मौजूदगी देखकर यात्रियों में पहले तो आश्चर्य हुआ, लेकिन उनकी सरलता और अपनापन देखकर सभी ने उनसे बातचीत किये।

बस यात्रा के दौरान कई यात्रियों ने शिक्षा मंत्री के साथ सेल्फी ली और उनसे बेझिझक बातचीत किये। मंत्री श्री यादव ने भी बिना किसी औपचारिकता के सभी यात्रियों से संवाद करते हुए उनकी समस्याओं, सुझावों को ध्यानपूर्वक सुने। मंत्री श्री यादव ने बताया कि वे पारिवारिक कार्य से पथरिया गए हुए थे। वापसी के दौरान बेमेतरा से दुर्ग तक अनमोल ट्रेवल्स की सवारी बस में यात्रा करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की यात्रा से आमजन के बीच जाकर उनकी वास्तविक समस्याओं और जरूरतों को समझने का अवसर मिलता है, जो किसी भी जनप्रतिनिधि के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

बस यात्रा के दौरान उन्होंने ग्रामीण अंचलों से जुड़े यात्रियों और शिक्षकों से शिक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तार से चर्चा की। शिक्षकों ने विद्यालयों की वर्तमान स्थिति, संसाधनों की उपलब्धता, विद्यार्थियों की उपस्थिति, शिक्षण में आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों तथा गुणवत्ता सुधार के उपायों पर अपने विचार साझा किए। मंत्री जी ने इन सुझावों को गंभीरता से लेते हुए कहा कि शासन स्तर पर इन बिंदुओं पर सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिए। इसके साथ ही ग्रामीण यात्रियों से बातचीत करते हुए खेती-किसानी, फसल उत्पादन, सिंचाई, समर्थन मूल्य, तथा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के लाभ को लेकर भी चर्चा किये। मंत्री श्री यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार आम जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है और ऐसे संवाद भविष्य की नीतियों को और अधिक प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में 5 स्थाई जज बनाए गए

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में कार्यरत पांच अतिरिक्त न्यायाधीशों को अब स्थायी जज के रूप में नियुक्त कर दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम से मिली मंजूरी के बाद अब चीफ जस्टिस इन जजों को स्थाई जज के रूप में शपथ दिलाएंगे।

जिन न्यायाधीशों को स्थायी किया गया है, उनमें जस्टिस सचिन सिंह राजपूत, जस्टिस राधाकिशन अग्रवाल, जस्टिस संजय कुमार जायसवाल, जस्टिस बिभु दत्ता गुरु, जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद शामिल हैं। ये सभी अब तक अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में सेवाएं दे रहे थे, जिन्हें अब स्थायी दर्जा मिल गया है।

अचानक बिगड़ी सोनिया की तबियत

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

मंगलवार को देर शाम कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी की तबियत अचानक खराब हो गई। उन्हें तत्काल सरगंगाराम अस्पताल नईदिल्ली के प्रायवेट वार्ड में भर्ती कराया गया। उनके साथ उनके पुत्र राहुल गांधी और पुत्री प्रियंका वाड्रा गांधी अस्पताल में हैं। चिकित्सक स्वास्थ्य परीक्षण कर रहे हैं। उनकी स्थिति सामान्य बताई जा रही है।

नोटिस के बाद भी नहीं जमा किया टैक्स नगर निगम दुर्ग ने की सीलिंग कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत लंबे समय से बकाया राशि नहीं जमा करने वाले दुकानदारों पर निगम द्वारा सख्त कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में इंदिरा मार्केट स्थित हटरी बाजार में महाराज रेडीमेट दुकान संचालक पावती पंडो एवं नारायण पंडो द्वारा अपनी दुकान का 1 लाख 77 हजार की बकाया राशि नगर निगम में जमा नहीं की गई थी।

नगर निगम द्वारा संबंधित दुकान संचालक को पूर्व में नोटिस जारी कर बकाया राशि जमा करने हेतु निर्देशित किया गया था, किन्तु संचालक द्वारा न तो नोटिस का कोई जवाब दिया गया और न ही बकाया राशि का भुगतान किया गया। लगातार अनदेखी के चलते निगम प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया।

आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर राजस्व विभाग, बाजार विभाग एवं लाइसेंस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर इंदिरा मार्केट हटरी बाजार स्थित उक्त महाराज रेडीमेट दुकान को सील करने की कार्रवाई की गई।

कार्रवाई को लेकर निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि नगर निगम के राजस्व की वसूली सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिन दुकानदारों द्वारा बार-बार नोटिस के बावजूद बकाया राशि जमा नहीं की जा रही है, उनके विरुद्ध इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

उन्होंने सभी दुकानदारों से अपील की है कि वे समय पर अपने बकाया करों का भुगतान करें, जिससे अनावश्यक कार्रवाई से बचा जा सके। कार्रवाई के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी थानसिंग यादव, चंदन मनहरे, राम खिलावन शर्मा, पवन नायक सहित टीम उपस्थित थे।

एक हफ्ते के लिए कानन-पेंडारी जू बंद

बिलासपुर। न्यायधानी में बर्ड-फ्लू के चलते बड़ा फैसला लिया गया है। प्रशासन ने जिले के मशहूर चिड़ियाघर कानन-पेंडारी को आने वाले 7 दिनों के लिए पूरी तरह बंद रखने का फैसला लिया है। इस दौरान मेडिकल टीम द्वारा पूरे जू को सेनेटाइज किया जाएगा, साथ ही वहां के वन्यजीवों की भी जाँच की जा सकती है। प्रशासन ने कानन-पेंडारी की टीम को भी अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार अब यह जो आम लोगों के लिए अगले महीने यानी अप्रैल में खोला जायेगा। गौरतलब हैं कि, बिलासपुर में H5N1 वायरस यानी बर्ड फ्लू की दस्तक ने प्रशासन को अलर्ट मोड पर ला दिया है। जिला प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से सख्त कदम उठाते हुए 1 किलोमीटर क्षेत्र को इन्फेक्टेड जोन और 10 किलोमीटर क्षेत्र को सर्विलांस जोन घोषित कर दिया है। दरअसल 19 मार्च से शुरू हुए मौतों के सिलसिले में अब तक 4744 पक्षियों की जान जा चुकी है। संक्रमण को रोकने के लिए प्रशासन ने 22 हजार 808 चूजे, बतख और बटेरों को नष्ट करने के साथ ही 80 क्विंटल दाना और 25 हजार अंडों को डिस्पोज किया है।

सोमनी पंचायत में अविश्वास प्रस्ताव को लेकर मामला गरमाया, तारीख फिर बढ़ी

अज्ञातवास में गए पंचगण वापस लौटे, हाईकोर्ट से भी स्टे मिलने की खबर

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

ग्राम पंचायत सोमनी की राजनीति अब हाई प्रोफाइल हो गई है। बुधवार को पंचायत में सरपंच के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर बैठक होनी थी, लेकिन राजनीतिक और प्रशासनिक दबाव ऐसा जोर मारा कि तारीख एक बार फिर आगे बढ़ गई।

हालांकि अविश्वास प्रस्ताव पक्ष के सभी 16 पंच चुनाव करने के मकसद से ही पखवाड़ेभर बाद अज्ञातवाश से पंचायत पहुंचे थे, लेकिन इन पंचों को एक बार फिर राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण निराश होना पड़ा। सुबह सभी पंच 11 बजे से पहले पंचायत पहुंच थे। इधर सरपंच नीलिमा साहू सहित उनके पक्ष के पंच और ग्रामीण भी पंचायत पहुंचे, लेकिन अविश्वास प्रस्ताव का मत जानने अफसर ही नहीं पहुंचे, जिसका घंटों इंतजार हुआ। इस बीच सरपंच के पक्ष में ग्रामीणों ने जमकर नारेबाजी की। विपक्षी पंचों पर ग्रामीणों ने अपनी भड़ास तक निकाली।

इस गहमा गहमी के दौरान एक ग्रामीणों के साथ क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य अंगेश्वर देशमुख के साथ झुमाइटकी तक हुई। विवाद इतना बढ़ गया कि मारपीट तक हुई। हालांकि पुलिस ने हस्तक्षेप कर मामले को शांत कराया।

लेकिन पक्ष और विपक्ष को लेकर ग्रामीण अविश्वास प्रस्ताव लाने वाले पंचों के खिलाफ आवाज बुलंद की। ग्रामीणों ने पंचों को पहले पद से हटाने की मांग की। दोपहर में जब जनपद पंचायत के सीईओ व अधिकारी पंचायत पहुंचे, तब पंचों को समझाइश दी गई और कारवाई की तारीख आगे बढ़ने की जानकारी दी गई। इसके बाद सभी ग्रामीण वापस लौटे। वहीं पंचों को भी पखवाड़ेभर घर छोड़ा गया।

इधर खबर है कि ग्राम पंचायत सोमनी की सरपंच नीलिमा साहू को भी हाईकोर्ट बिलासपुर से राहत मिली है। सोमनी में उठे विवाद से ग्रामीणों में भी नाराजगी का वातावरण है। पंचायत के जनप्रतिनिधियों द्वारा पहली बार ऐसा बर्ताव ग्रामीणों को देखने मिला है

खास खबर

हड़ताल दूसरे दिन भी जारी रहा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ कृषि स्नातक शासकीय कृषि अधिकारी संघ के आह्वान पर ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के निलंबन के विरोध में कृषि अधिकारियों की हड़ताल मंगलवार, 24 मार्च 2026 को दूसरे दिन भी जारी रही। हड़ताल में जिले के तीनों विकासखंडों से बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। अधिकारियों ने प्रशासन की कार्रवाई को अनुचित बताते हुए कहा कि बिना पूर्ण तथ्यों की जांच किए किसी अधिकारी का निलंबन करना न्यायसंगत नहीं है। उन्होंने निलंबन आदेश को तत्काल निरस्त करने की मांग की। इस हड़ताल का असर अब कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन पर भी साफ तौर पर दिखाई देने लगा है। किसानों को मिलने वाली कई लाभकारी योजनाओं का काम प्रभावित हो रहा है।

हड़ताल स्थल पर छत्तीसगढ़ कैशलेस चिकित्सा सेवा कर्मचारी कल्याण संघ के संरक्षक राकेश सिंह भी पहुंचे और आंदोलन को समर्थन दिया। उन्होंने इस कार्रवाई को अनुचित बताते हुए निलंबन निरस्त करने की मांग का समर्थन किया। संघ के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि निलंबित अधिकारी के खिलाफ जारी आदेश को वापस नहीं लिया गया, तो आंदोलन को प्रांत स्तर तक विस्तारित किया जाएगा, जिसका असर पूरे राज्य के कृषि विभाग पर पड़ेगा। हड़ताल में प्रांत अध्यक्ष लिखित वर्मा, जिला दुर्ग अध्यक्ष अमित कुमार वर्मा सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

जनगणना 2027 : फील्ड ट्रेनर्स को दिया गया प्रशिक्षण

दुर्ग। जिले में आगामी जनगणना 2027 की तैयारियां जोरों पर हैं। बीआईटी कॉलेज में फील्ड ट्रेनर्स के लिए प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण दो चरणों में आयोजित किया जाएगा। प्रथम चरण में भिलाई क्षेत्र के नगर निगम भिलाई चरोदा, रिसाली एवं भिलाई नगर के कुल 36 फील्ड ट्रेनर्स को 23 मार्च से 25 मार्च तक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके बाद दूसरे चरण में नगर निगम दुर्ग सहित सभी नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत एवं तहसीलों के 43 फील्ड ट्रेनर्स को 27 मार्च से 29 मार्च तक प्रशिक्षण दिया जाएगा। फील्ड ट्रेनर्स ही प्रगणक-पर्यवेक्षक को प्रशिक्षण देंगे। प्रगणक-पर्यवेक्षक ही घर-घर जाकर मकानों का सूचीकरण व अन्य जानकारी एकत्रित करेंगे।

प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर हरेन्द्र सिंग भुवाल ने जनगणना की संरचना और विषय वस्तु पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जनगणना दो चरणों में आयोजित होगी-पहला चरण 1 मई से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण और गणना का होगा, जबकि दूसरा चरण फरवरी 2027 में परिवारों की व्यक्तिगत जानकारी एकत्रित करने के लिए किया जाएगा। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने सभी फील्ड ट्रेनर्स प्रशिक्षण के प्रत्येक बिंदु को गंभीरता से समझने को कहा, ताकि प्रगणक-पर्यवेक्षकों को सही और प्रभावी प्रशिक्षण दिया जा सके। इस दौरान अपर कलेक्टर विरेन्द्र सिंह भी उपस्थित थे।

कुरूद रोड कोहका में एक हफ्ते मे दुसरी बार जाम से जनता परेशान समाधान की मांग

पुलिस कप्तान को फोन लगाते ही 5 मिनट में पहुंची पुलिस

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

कुरूद रोड कोहका क्षेत्र में इन दिनों जाम की स्थिति बनी रहने से आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शाम के व्यस्त समय में सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग जाती है, जिससे स्कूल जाने वाले बच्चों, नौकरीपेशा लोगों और स्थानीय व्यापारियों को काफी दिक्कत होती है।

जनहित संघर्ष समिति के संयोजक शारदा गुप्ता का कहना है कि सड़क किनारे अगर कोई बड़े वहां आ जाए और टर्न लेने में दिक्कत हो रही हो तो पूरी सड़क जाम हो जाती है ऐसा कई बार देखा गया है मंगलवार को मंगल बाजार से सैकड़ो लोग निकालते हैं इसलिए इस दिन भी जाम होने की संभावना ज्यादा रहती है और मंदिर में भंडारे का भोग लेने के कारण लोग अपने वाहन को अनियंत्रित खड़ा कर देते हैंइसमें सुधार की आवश्यकता है आमजन मानस परेशान रहता है इस सड़क का चौड़ीकरण किया जाना आवश्यक है क्योंकि शैक्षणिक संस्थान होने के कारण इस सड़क पर बहुत ज्यादा रहता है जब भी जाम लगता है उनके परिचित मुझे फोन करते हैं और पुलिस प्रशासन भी घटनास्थल तक पहुंचने में समय लगता है इसलिए स्वयं स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ जाम को हटाना पड़ता है जाम की समस्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। कई बार एम्बुलेंस और आवश्यक सेवाओं के वाहन भी जाम में फंस सकते है, जिससे स्थिति और गंभीर हो सकती है।

शारदा गुप्ता ने तत्काल पुलिस कप्तान विजय अग्रवाल से फिर फोन पर घटना की जानकारी दिए और उन्होंने तत्काल 5 मिनट में पुलिस बल भेजकर जाम हटवाया चर्चा शारदा गुप्ता ने मां की इस रोड पर 112 की गाड़ियां नियमित रूप से ग्रस्त करे। अवैध पार्किंग पर सख्त कारर्वाई की जाए। इसके साथ ही आवश्यकतानुसार सड़क चौड़ीकरण और बेहतर ट्रैफिक प्रबंधन की व्यवस्था भी की जाए।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया तो आने वाले समय में स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। प्रशासन से उम्मीद की जा रही है कि जनता की इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, ताकि लोगों को जाम की परेशानी से राहत मिल सके। मांग करने वाले में प्रमुख रूप से शारदा गुप्ता निशुपांडे मदन सेन डॉ रमेश श्रीवास्तव कन्हैया सोनी बृजमोहन उपाध्याय बंटी नाहर विनोद उपाध्याय अखिलेश वर्मा जेपी घनघोरकर संतोष जयसवाल गुरनाम सिंह हंसराज पटेल सुभाष शर्मा प्रदीप पांडे टिंकू रमेश देशमुख नेहरू साहू तुषार देवांगन निर्मल भारती छोटू पासवान मृगेंद्र कुमार हरीशचंद्र भारती शक्ति सिंह, टिंकू संजय दुबे, संजय साहू, गिरीश दिलीप दामले, नरेश संतोष सोनी अमोल साहु अनिल सिंह पीसी प्रसाद योगेश यादव सहित प्रमुख कार्यकर्ता है।

टीबी मुक्त भारत अभियान 2.0 का ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

विश्व टीबी दिवस के अवसर पर ग्राम अंडा में टीबी मुक्त भारत अभियान 2.0 के अंतर्गत 100-दिवसीय पहचान एवं उपचार अभियान का ब्लॉक स्तरीय उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि के रूप में श्रीमती मीनाक्षी चंद्राकर सम्मिलित हुई।

इस अवसर पर अकतकनीक से युक्त आधुनिक एक्स-रे मशीन का विधिवत पूजन-अचर्ना कर उद्घाटन किया गया तथा टीबी मुक्त भारत अभियान रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया साथ ही मरीजों को निराक्षय सुपोषण टोकरी प्रदान किया गया। आयोजकों ने बताया कि नई मशीन से समय पर व त्वरित जांच की सुविधा मिलेगी—लोगों को अब टीबी की जाँच के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा, रिपोर्ट शीघ्र प्राप्त होगी और उपचार तत्काल प्रारंभ किया जा सकेगा।

विधायक प्रतिनिधि श्रीमती मीनाक्षी चंद्राकर ने कहा, टीबी को जड़ से खत्म करने के लिए सबसे जरूरी है—लक्षण दिखते ही समय पर जांच और पूरा इलाज। अक एक्स-रे जैसी सुविधा अब हमारे ब्लॉक में उपलब्ध है, जिससे शीघ्र पहचान और तत्काल उपचार संभव होगा। मैं सभी ग्रामवासियों से आग्रह करती हूँ कि दो हफ़्ते से अधिक खाँसी, बुखार, वजन घटना जैसे लक्षण दिखें तो तुरंत नजदीकी केंद्र पर जाँच कराएँ; उपचार मुफ़्त है और बीच में न छोड़ें। पंचायत, स्वास्थ्य टीम और समाज मिलकर टीबी-मुक्त अंडा व टीबी-मुक्त दुर्ग का लक्ष्य हासिल करेंगे।

जिला क्षय अधिकारी डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव एवं डॉ. देवेंद्र बेलचंदन ने बताया कि घर-घर सक्रिय स्क्रीनिंग, संपर्क ट्रेसिंग, निक्षय पोर्टल पर पंजीकरण, निक्षय मित्रों के सहयोग से पोषण सहायता तथा नियमित फॉलो-अप पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। हेल्थ कैंप व मोबाइल स्क्रीनिंग टीम के माध्यम से दूरस्थ टोलों तक पहुँच सुनिश्चित की जाएगी।

समारोह में जनपद अध्यक्ष श्रीमती कुलेश्वरी देवांगन, जनपद सदस्य अजीत चंद्राकर, सरपंच दिग्विजय सिंह, जिला मंत्री गिरेश साहू, मंडल अध्यक्ष लीकेश्वर देशमुख, महामंत्री डिलेश साहू, नोमेश्वर पिपरिया, हेमलाल निषाद, मुकेश बेलचंदन, सरपंच योगेंद्र दिल्लीवार, राजेंद्र वर्मा, विमल वर्मा, राकेश सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी, पंचायत प्रतिनिधि एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

वय वंदना स्वास्थ्य योजना के तहत रिसाली में एक दिवसीय शिविर में 70 हितग्राहियों ने बनाया कार्ड

नई दृष्टिबिंदु / 000000000

सोमवार को दुर्ग ग्रामीण विधानसभा के अंतर्गत नगर निगम रिसाली क्षेत्र में शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रिसाली, भिलाई के स्वास्थ्य कमर्चारियों द्वारा पयर्वेक्षक श्रीमती सरोज साहू के नेतृत्व में वय वंदना स्वास्थ्य योजना के तहत एक दिवसीय शिविर बड़ा रावण मैदान के डोम शेड में आयोजित किया गया। जिसमें 70 वर्ष या उससे अधिक उम्र के नागरिकों का आयुष्मान कार्ड निशुल्क बनाया गया। जिसके तहत शासन के द्वारा पात्र नागरिक, चाहे वह अमीर या गरीब हो, चाहे वह किसी भी वर्ग का हो उसका 5 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा किया गया है। इस शिविर में लगभग 70 नागरिकों का आयुष्मान कार्ड बनाया गया।

इस योजना के विषय में स्वास्थ्य विभाग के कमर्चारियों ने बताया कि, आयुष्मान वय वंदना योजना भारत सरकार की एक स्वास्थ्य पहल है। जो 70 वर्ष या उससे अधिक आयु वर्ग के सभी वरिष्ठ नागरिकों को प्रतिवर्ष 5 लाख रुपए तक का निःशुल्क इलाज प्रदान करती है। यह आयुष्मान भारत के तहत एक अतिरिक्त टॉप-अप कवर है। जो देश भर के सूचीबद्ध अस्पतालों में मान्य है।

उन्होंने कहा कि जो पात्र नागरिक इस योजना का लाभ लेना चाहते हैं वे स्वास्थ्य विभाग रिसाली के कर्मचारी हेमंत कुंभकार (स्टेशन मरोदा स्वास्थ्य केंद्र, रिसाली 7724054661), प्रवीण रात्रे (उप स्वास्थ्य केंद्र रिसाली 9691476773), तोरण कुंभकार (मऊहारी मरोदा स्वास्थ्य केंद्र, रिसाली 9131032767), अंशुमन त्रिपाठी (स्वास्थ्य केंद्र रुआबांधा, रिसाली 7400518941) चित्रसेन चंद्राकर स्वास्थ्य केंद्र स्टेशन मरोदा, रिसाली 9754396851) से संपर्क कर सकते हैं। शिविर में पंचराम साहू, छत्तीसगढ़ी सियान सेवा समिति के अध्यक्ष चंदूलाल मरकाम एवं वार्ड 28 रिसाली की भाजपा पार्षद श्रीमती सीमा साहू एवं गणमान्य नागरिकों का विशेष सहयोग रहा।

रिटायर कर्मियों के दीर्घ योगदान को सराहा, जमा राशि का चेक देकर किया सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मियों की प्रथम और प्रतिष्ठित सहकारी संस्था इस्पात कर्मचारी को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लिमिटेड सेक्टर-6 द्वारा अपने सेवानिवृत्त सदस्यों के सम्मान में एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें माह फरवरी अथवा उसके पूर्व भिलाई इस्पात संयंत्र की सेवा से निवृत्त हुए सदस्यों को ससम्मान विदाई दी गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सोसायटी के अध्यक्ष बृज बिहारी मिश्र ने सेवानिवृत्त सदस्यों का शॉल एवं श्रीफल से सम्मान कर सोसायटी में जमा उनकी निधियों का खातादेय चेक प्रदान किया। यह सम्मान न केवल उनके दीघर्कालीन योगदान का प्रतीक था, बल्कि संस्था के प्रति उनके अटूट विश्वास और जुड़ाव का भी अभिनंदन था।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में बृज बिहारी मिश्र ने सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सोसायटी की मजबूती और प्रतिष्ठा उसके सदस्यों के विश्वास, सहयोग और सतत सहभागिता पर आधारित है।उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि सेवानिवृत्ति जीवन का एक नया अध्याय है, जिसमें व्यक्ति अपने अनुभवों और उपलब्धियों के साथ एक नई शुरुआत करता है।इस अवसर पर उन्होंने सभी सम्मानित सदस्यों के स्वस्थ, सुखमय एवं समृद्ध सेवानिवृत्त जीवन की कामना की।

सेवानिवृत्त सदस्यों ने भी संस्था के साथ अपने वर्षों पुराने संबंधों और समय-समय पर सोसायटी से मिले सहयोग को याद करते हुए आभार व्यक्त किया। इनमें प्रोजेक्ट से कृष्णेश्वर मानकर, सिंटर प्लांट-2 से रामजीत सिन्हा और कोक ओवन एंड कोल केमिकल विभाग से अब्दुल कादिर ने सोसायटी के साथ अपने लगाव का विशेष रूप से उल्लेख किया और भविष्य में भी संपर्क व संबंध जारी रखने की बात कही।

इस दौरान सेवानिवृत्त सदस्यों में ट्रांसपोर्ट एंड डीजल ऑर्गेनाइजेशन से देव सिंह कोशले, जनरल एस्टेब्लिशमेंट से संत ज्ञानेश्वर, पी. दामोदर, रिफ्रैक्टरीज इंजीनियरिंग डिपाटर्मेंट से राजेश राहयाल सोनकर, कमल सिंह देशलहरे, आरटीएनआर शॉप से कल्याण सिंह सिहारे, टाउन सविर्सेज से केशव विश्वकर्मा, स्टील मेल्टिंग शॉप-3 से कमलेश कुमार नायक, मर्चेंट एंड वायर रॉड मिल से महेश कुमार यदु, रेल एंड स्ट्रक्चरल मिल से संजय कुमार नायक, एजुकेशन से सुवेश कुमार तंबोली, सेक्टर-6 सोसाइटी की राजहरा इकाई से के शेष साई, रिसाली शाखा से एनके निषाद, बीके पैकरा, पावर हाउस शाखा से राममूर्ति, एसके वर्मा.बी श्रीनिवास और पी नन्नालु शामिल हैं।सभी को सोसाइटी परिवार की ओर से भावभीनी विदाई दी गई। आयोजन में सोसाइटी परिवार की ओर से कई अन्य लोग मौजूद थे। संचालन प्रबंधक एम मुरलीधर और आभार चंचल प्रसाद तिवारी ने व्यक्त किया।

सैकड़ों विवाहित जोड़ों के द्वारा किया गया संगीतमय सुंदरकांड, आज लगेगा 56 भोग

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

सत्तीचौरा माँ दुर्गा मंदिर में चैत्र नवरात्र पर्व एवं 16वे वाषिकीत्सव के अवसर पर सैकड़ों विवाहित जोड़ों द्वारा किया गया सुंदरकांड पाठ शहर में हुआ एक नया ऐतिहासिक आयोजन से शहर हुआ धमर्लीन रहा।

समिति के संरक्षक अजय शर्मा एवं पार्षद कुलेश्वर साहू ने बताया कि सत्तीचौरा माँ दुर्गा मंदिर, गंजपारा, दुर्ग में चैत्र नवरात्र पर्व एवं 16वाँ वाषिकीत्सव 19 मार्च से 27 मार्च तक बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है, जिसमे 24 मार्च मंगलवार को सायं 7 बजे से विवाहित जोड़ो से सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें 200 से अधिक विवाहित जोड़े एवं सैकड़ों धर्मप्रेमियों ने पाठ किया। इतनी अधिक संख्या में जिले में पहली बार विवाहित जोड़ों द्वारा सुंदेकाण्ड पाठ किया गया, जिसमें जिले का एक नया ऐतिहासिक आयोजन करते शहर के धर्मप्रेमियों को श्री सत्तीचौरा माँ दुर्गा मंदिर में देखने को मिला। कार्यक्रम में सुंदर एवं मधुर भजनों की प्रस्तुति के साथ छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध पाठकर्ता आचार्य कान्हा महाराज भिलाई द्वारा पाठ किया गया, जिसमें आकर्षित बैठक व्यवस्था के साथ सैकड़ों की संख्या में विवाहित जोड़ो ने एक साथ एक साथ मे बैठकर सुंदरकांड पाठ किया जो कि जिले का आज तक मे सबसे बड़ा एवं ऐतहासिक आयोजन रहा जिसमे विवाहित जोड़ों से सुंदरकांड पाठ किया गया। समिति द्वारा विवाहित जोड़ों के बैठने की व्यवस्था को देख धर्मप्रेमी भाव से भर गए और सभी ने व्यवस्था की प्रशंसा की, समिति द्वारा सभी जोड़ों के लिए बैठने की उचित व्यवस्था के साथ पूजा की चौकी, अलग अलग पूजा एवं आरती की थाल, सुंदरकांड पुस्तक, जिसे देख सभी धर्मप्रेमी भाव विभूर हो उठे। मधुर एवं सुंदर भजनों की प्रस्तुति के साथ जब पाठ करने आए आचार्य कान्हा महाराज द्वारा दरकांड पाठ किया गया कार्यक्रम में सबसे पहले 'मंत्रोच्चार के साथ पूजा अचर्ना कराई गई, तत्पश्चात गणेश वंदना के साथ पाठ प्रारंभ किया गया, लगभग 500 मीटर दूर तक धर्मप्रेमी बैठकर नीचे बैठकर पाठ किये, एवं जो धर्मप्रेमी नीचे नही बैठ सकते थे उनके लिए कुर्सी की अलग से व्यवस्था की गयी थी। सुंदर कांड में पाठ कर्ता कान्हा महाराज द्वारा सुंदर एवं मधुर गीतों की लाइन में गीत दुनिया चले न श्री राम के बिना और राम जी चले न श्री हनुमान के बिना और देखा न वीर हनुमान, चलो बुलावा आया है माता ने बुलाया है, बजाए जा तू प्यारे हनुमान चुटकी जैसे मधुर गीतों में धर्मप्रेमी झूम उठे,

सुंदरकांड में पाठ अनुसार वीर हनुमान जी रूप में छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध धमधा के कलाकार महाबली हनुमान के रूप में आए हुए हनुमान एवं वनार सेना की आकर्षित झांकी भी प्रस्तुत की गयी जिसमें महाबली बजरंग बली का अदभुद रूप दिखाई दे रहे थे जो सभी उपस्थित धर्मप्रेमियों के बीच मे सुंदरकांड पाठ के बीच मे नृत्य करते रहे कार्यक्रम का नजारा पूरी तरह से अदभुत अलौकिक रहा जिसे देख सभी धर्मप्रेमी प्रशन्न हुए।

कार्यक्रम में विशेष रूप से कैबिनेट मंत्री एवं दुर्ग विधायक गजेंद्र यादव उपस्थित रहे जिनका सम्मान समिति द्वारा किया गया, विधायक ने मंदिर के पुननिर्माण के लिए 10 लाख का सहयोग दिया जिसके लिए समिति द्वारा आभार व्यक्त किया गया साथ ही साथ मंत्री जी ने मंदिर के रोड में दोनों तरफ स्वागत द्वार बनवाने की घोषणा की

गुरुवार को अष्टमी के अवसर पर दोपहर 12 बजे माता जी को 56 माता भेंट चढ़ाया जाएगा एवं संध्या 7 बजे 108 पूजा थाल से माता जी की महाआरती जी जावेगी चैत्र नवरात्र पर्व एवं 16 वे वाषिकीत्सव के उपलक्ष्य पर मन्दिर परिसर में प्रतिदिन प्रातः 9 बजे माता जी का अलग अलग धर्मप्रेमियों द्वारा सहपरिवार उपस्थित होकर अपने हाथों से अभिषेक किया जा रहा है, एवं दोपहर 12 बजे प्रतिदिन कन्यापूजन एवं कन्या भोज कराया जाता है जिसमें पायल जैन कैट व्यापारी महिला प्रकोष्ठ द्वारा गिफ्ट वितरण किया जाता है

सुंदरकांड पाठ में राजेंद्र साहू धीरज बाकलीवाल प्रतिमा चंद्राकर प्रतिभा सुरेश गुप्ता पार्षद कुलेश्वर साहू पार्षद प्रकाश सांखला उत्तम भंडारी अशोक गुप्ता अशोक राठी महेश टावरी प्रवीण भूतड़ा गोपाल शर्मा राजेश शर्मा नरेंद्र शर्मा गुड्डू कश्यप डब्बू चंद्रवंशी ऋषभ जैन मनोज भूतड़ा पिंकी गुप्ता मनोज गुप्ता चेतन जैन नरेंद्र गुप्ता राहुल शर्मा मनोज गुप्ता लाला मनोज श्रीवास्तव सुजल शर्मा ईशान शर्मा अर्जित शुक्ला बसंत शर्मा संजय शर्मा रमेश गुप्ता लक्की अग्रवाल मनीष सेन हर्षद पारख प्रकाश सिन्हा रवि शर्मा सोनल सेन रिषि गुप्ता नमन खण्डेलवाल दुर्गा अग्रवाल मोहित पुरोहित दिनेश शर्मा विनय मिश्रा वाशु शर्मा सुयश गुप्ता सोनल सेन एवं सैकड़ो विवाहित जोड़े एवं धर्मप्रेमी उपस्थित थे।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: व्यक्तिगत सूचना ::-

(रा.प्र.क्र./202602101000245/अ-6/वर्ष 2025-26)

प्रति,
1. श्याम राव आ. मारोती राव
2. नजीर अली आ. अरमान अली
निवासी - नागपुर महाराष्ट्र
पक्षकार - इन्द्रजीत आ. स्व. मोहन लाल
निवासी -राम नगर सुपेला भिलाई तह. व जिला दुर्ग
विरुद्ध
अनावेदक- छ.ग.शासन

आपको सूचित किया जाता है इस न्यायालय का रा.प्र. कं. 202602101000245/31-6/वर्ष 2025 -26 आवेदक इन्द्रजीत पिता स्व. मनोहर लाल निवासी राम नगर भिलाई पुराना तह. व जिला दुर्ग ग्राम कोहका प.ह.न. 45 रा.नि.मं. कोहका स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि पुराना खसरा नं. 499/2 नया खसरा नं. 9060/1 रकबा 0.020 हे. भूमि का रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर दिनांक 07/07/2016 को विक्रेता मारोती राव आ. विठ्ठल राव लाकुडकर से क्रय किया गया है, की बैनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने बाबत आवेदन पत्र मय बैनामा की छाया प्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 10/04/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 20/03/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

समग्र विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता- कश्यप, वन मंत्री ने मुरकुची और पखना कोंगेरा में दी विकास कार्यों की सौगात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने विकास की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि बस्तर का समग्र विकास केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे धरातल पर उतारना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों की राह में आने वाली हर बाधा को दूर करना उनका लक्ष्य है।

मंत्री केदार कश्यप ने नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बस्तर विकासखंड में विकास की नई इबारत लिखी। उन्होंने क्षेत्र के सघन दौरे के दौरान मुरकुची और पखना कोंगेरा में आयोजित भव्य कार्यक्रमों मंस शिरकत की, जहाँ उन्होंने विधायक निधि से स्वीकृत कुल 56 लाख रूपए की लागत वाले विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन कर ग्रामीणों को बड़ी सौगात दी। इन कार्यक्रमों के माध्यम से क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 10 महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी गई, जिससे स्थानीय स्तर पर आवागमन और सामुदायिक सुविधाओं में व्यापक सुधार सुनिश्चित होगा।

जनसमूह को संबोधित करते हुए श्री कश्यप ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पुलियाओं का निर्माण केवल ईंट और सीमेंट का ढांचा नहीं है, बल्कि यह गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने वाली जीवनरेखा है। उन्होंने पूर्ववर्ती कठिनाईयों का स्मरण कराते हुए कहा कि बरसात के दिनों में छोटे-छोटे नालों के उफान पर होने के कारण ग्रामीणों, विशेषकर स्कूली बच्चों और मरीजों को जो परेशानियां झेलनी पड़ती थीं, अब ये नई पुलियाएं उन समस्याओं का स्थायी समाधान बनेंगी।

वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में चल रही जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुँचाना ही सुशासन की असली पहचान है। उन्होंने पुल-पुलिया के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि ये निर्माण कार्य स्थानीय परिवहन को सुगम बनाएंगे और कृषि उत्पादों को बाजार तक पहुँचाने में किसानों की मदद करेंगे। साथ ही तारागांव में सामुदायिक भवन के निर्माण का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए गांवों में सुरक्षित और पक्के भवनों का होना अनिवार्य है, ताकि ग्रामीण समाज एकजुट होकर अपनी परंपराओं का निर्वहन कर सके।

श्री कश्यप ने ग्रामीणों से सीधा संवाद करते हुए अपील की कि वे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर स्वयं भी नजर रखें, क्योंकि यह संपत्ति उनकी अपनी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नारायणपुर विधानसभा के हर कोने में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार निरंतर जारी रहेगा और धन की कमी को कभी विकास में बाधक नहीं बनने दिया जाएगा। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, जनपद पंचायत अध्यक्ष संतोष बघेल सहित जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

खास खबर

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने 600 छात्राओं को दिखाई द केरल स्टोरी-2

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री एवं भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में सूरजपुर जिले में विभिन्न महाविद्यालयों की लगभग 600 छात्राओं को सामाजिक विषय पर आधारित फिल्म ह्रद केरल स्टोरी 2 दिखाई गई। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि बदलते सामाजिक परिवेश में बेटियों को शिक्षित, जागरूक और आत्मनिर्भर बनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि छात्राओं को समाज में घटित होने वाली विभिन्न परिस्थितियों और चुनौतियों की जानकारी मिलना जरूरी है, ताकि वे सही निर्णय लेने में सक्षम बन सकें और अपने जीवन को सुरक्षित एवं सशक्त दिशा दे सकें। उन्होंने कहा कि बेटियों का आत्मविश्वास और जागरूकता ही उनके सुरक्षित भविष्य की सबसे बड़ी ताकत है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्राओं ने सहभागिता करते हुए सामाजिक मुद्दों पर आधारित इस फिल्म को देखा और महत्वपूर्ण संदेशों से अवगत हुईं।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं और बालिकाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों और पहलों के जरिए बेटियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश की हर बेटी शिक्षा, सुरक्षा और स्वाभिमान के साथ आगे बढ़े तथा समाज में सकारात्मक वातावरण का निर्माण हो। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने फिल्म के माध्यम से सामाजिक विषयों को समझने और स्वयं को सतर्क एवं आत्मविश्वासी बनाने की बात कही। उन्होंने इस पहल के लिए मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि इस प्रकार के आयोजन उन्हें जीवन में जागरूक और जिम्मेदार बनने की प्रेरणा देते हैं। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, शिक्षकगण, महाविद्यालय के प्राध्यापक, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में छात्राएँ उपस्थित रहीं।

आजीविका और नैसर्गिक पर्यटन विकास के अध्ययन के लिए समितियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

बलौदाबाजार। वनमण्डल के विभिन्न ग्रामों के पारिस्थितिकी विकास समिति और संयुक्त वन प्रबंधन सदस्यों का आजीविका और नैसर्गिक पर्यटन विकास संबंधी शैक्षणिक भ्रमण संपन्न हुआ। 19 मार्च से 21 मार्च 2026 तक आयोजित इस दौरे में वनांचल क्षेत्र के कृषकों, गाइड्स और समिति सदस्यों ने छत्तीसगढ़ सहित पड़ोसी राज्यों के प्रमुख वन्यजीव क्षेत्रों का अध्ययन किया।

कांगेर घाटी टाइगर रिजर्व में प्रतिभागियों ने यहाँ जैविक खेती की आधुनिक तकनीकों और उन्नत कृषि पद्धतियों का बारीकी से अवलोकन किया। इसके साथ ही, कांगेर घाटी टाइगर रिजर्व में नैसर्गिक पर्यटन प्रबंधन और समुदाय आधारित पर्यटन मॉडल को समझा गया। डेब्रीगढ़ वन्यजीव अभ्यारण्य (ओडिशा) में प्रतिभागियों के दल ने वन्यजीव संरक्षण, संवर्धन और ईको-टूरिज्म के सफल मॉडलों का अध्ययन किया। सदस्यों ने सीखा कि कैसे पर्यटन के माध्यम से स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार के अवसर पैदा किए जा सकते हैं। कान्हा टाइगर रिजर्व (मध्य प्रदेश) में भ्रमण में ग्रामीणों ने विश्व प्रसिद्ध कान्हा टाइगर रिजर्व के पर्यटन प्रबंधन और जैव विविधता संरक्षण की कार्यप्रणाली को देखा। यहाँ उन्होंने संरक्षण और पर्यटन के बीच बेहतर संतुलन बनाने के गुर सीखे।

स्थानीय ग्रामीणों और गाइडों को अन्य सफल क्षेत्रों के 'बेस्ट प्रैक्टिसेस' से अवगत कराना था। इससे प्राप्त अनुभवों का उपयोग अब बारनवापारा और बलौदाबाजार के अन्य वन क्षेत्रों में आजीविका संवर्धन, उन्नत कृषि और बेहतर पर्यटन सेवाओं को विकसित करने के लिए किया जाएगा। भ्रमण से लौटे सदस्यों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस यात्रा से उन्हें प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और स्वरोजगार के नए तरीकों को समझने में बहुत मदद मिली है। वनमण्डलाधिकारी धम्मशील गणवीर कहा कि यह शैक्षणिक यात्रा वन प्रबंधन समितियों के सदस्यों के लिए एक महत्वपूर्ण सीखने का अवसर रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि भ्रमण से प्राप्त अनुभवों के आधार पर सदस्य अपने-अपने क्षेत्रों में बेहतर कृषि पद्धतियों को अपनाएंगे और इको-टूरिज्म को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाएंगे।

होली के बाद अब भूमिहीन कृषि श्रमिकों की नवरात्रि भी हुई समृद्ध

4 .95 लाख से अधिक भूमिहीन कृषकों के खातों में 495 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

किसानों की खुशियों भरी होली के बाद अब भूमिहीन कृषि श्रमिकों के लिए भी यह नवरात्रि समृद्धि और आत्मविश्वास का संदेश लेकर आई है। छत्तीसगढ़ में सुशासन सरकार की योजनाएं अब सीधे जनजीवन में परिवर्तन का आधार बनती दिख रही हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बलौदाबाजार जिले में दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बलौदा बाजार में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के 4 लाख 95 हजार 965 भूमिहीन कृषि मजदूरों के खातों में 495 करोड़ 96 लाख 50 हजार रुपये की राशि अंतरित की। उन्होंने कहा कि यह पहल केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि श्रम और सम्मान को सशक्त करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के तहत किए गए वादों को सरकार द्वारा तेजी और पारदर्शिता के साथ पूरा किया जा रहा है। उन्होंने उल्लेख किया कि धान खरीदी में अंतर की राशि मिलने से किसानों ने इस वर्ष उत्साह और संतोष के साथ होली मनाई, वहीं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महतारी वंदन योजना के अंतर्गत महिलाओं को मिली राशि ने उनके आत्मनिर्भरता के संकल्प को और मजबूत किया है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को प्रतीकात्मक रूप से गृह प्रवेश कराते हुए मकानों की चाबियां भी सौंपीं। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में 18 लाख से अधिक आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं, जिससे हजारों परिवारों के जीवन में स्थायित्व और सुरक्षा का नया अध्याय जुड़ा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने बलौदाबाजार की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का स्मरण करते हुए बाबा गुरु घासीदास, संत कबीर और शहीद वीर नारायण सिंह को नमन किया। उन्होंने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के अंतर्गत प्रति वर्ष 10 हजार रुपये की सहायता राशि भूमिहीन कृषि मजदूरों को दी जा रही है, जिससे वे अपने परिवार की आवश्यकताओं, बच्चों की शिक्षा और छोटे व्यवसायों को आगे बढ़ाने में सक्षम हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार किसानों से किए गए वादे के अनुरूप 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार हेतु 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया गया है। साथ ही तेंदूपत्ता संग्रहण दर में वृद्धि, चरण पादुका योजना का पुनः संचालन तथा रामलला दर्शन एवं मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजनाओं के माध्यम से सामाजिक और आध्यात्मिक सशक्तिकरण को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बिजली बिल समाधान योजना का उल्लेख करते हुए बताया कि कोरोना काल में लंबित बिलों के निपटान हेतु विशेष छूट एवं आसान किस्तों की सुविधा प्रदान की जा रही है। यह योजना जून तक संचालित होगी और प्रदेशभर में इसके लिए समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

प्रदेश के समग्र विकास पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि खनिज संपदा, कृषि और वन उत्पादों के बेहतर उपयोग से छत्तीसगढ़ को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का लक्ष्य है। उन्होंने बस्तर क्षेत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्षों तक नक्सलवाद से प्रभावित यह क्षेत्र अब शांति, विश्वास और विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। केंद्र सरकार के संकल्प और सुरक्षाबलों के साहस से नक्सलवाद अब समाप्ति की ओर है और बस्तर में विकास की नई धारा प्रवाहित हो रही है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने विभिन्न विभागीय स्टॉलों का अवलोकन किया तथा पांच जिलों के हितग्राहियों से चर्चा एवं संवाद कर योजनाओं के प्रभाव की जानकारी ली।

इस अवसर पर राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को कम समय में पूरा करना सरकार की प्रतिबद्धता और कार्यक्षमता का प्रमाण है। उन्होंने महतारी वंदन योजना, धान खरीदी के अंतर की राशि तथा प्रधानमंत्री आवास योजना का उल्लेख करते हुए बताया कि अब तक 18 लाख गरीब परिवारों के लिए आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं।

राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि सरकार पारदर्शिता के साथ योजनाओं का क्रियान्वयन कर रही है और भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई है। आज योजनाओं की राशि सीधे हितग्राहियों के खातों में पहुंच रही है, जिससे व्यवस्था में विश्वास और पारदर्शिता दोनों मजबूत हुए हैं। उन्होंने सभी भूमिहीन कृषि मजदूरों, विशेषकर बैगा-गुनिया परिवारों को इस योजना के लाभ के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरू खुशवंत साहेब, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

टीबी मुक्त भारत अभियान का स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने किया शुभारंभ

प्रधानमंत्री के विजन को साकार करने में जनता की भूमिका सबसे अहम, सब मिलकर बनाएं टीबी मुक्त भारत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

विश्व क्षय दिवस के अवसर पर पूरे देश के साथ मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में भी टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत 100 दिवसीय विशेष अभियान का भव्य शुभारंभ किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर इस अभियान की शुरुआत केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा द्वारा नोएडा से वर्चुअल माध्यम से की गई, वहीं छत्तीसगढ़ में इसका राज्य स्तरीय शुभारंभ मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले से होना अपने आप में एक ऐतिहासिक क्षण बन गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि 24 मार्च का दिन ऐतिहासिक महत्व रखता है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में टीबी मुक्त भारत का संकल्प तेजी से साकार हो रहा है। उन्होंने बताया कि 7 दिसंबर 2024 से 24 मार्च 2025 तक चले अभियान में 4113 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया जा चुका है। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले की 118 ग्राम पंचायतों के सरपंचों को उत्कृष्ट कार्य के लिए गांधी जी की प्रतिमा एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

अब गांव-गांव पहुंचेगी हाईटेक जांच, 10 मिनट में मिलेगी रिपोर्ट

अभियान की सबसे बड़ी खासियत यह है कि स्वास्थ्य सेवाएं अब गांव-गांव तक पहुंचेंगी। आयुष्मान स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से लोगों की जांच की जाएगी, जिसमें रक्त जांच के साथ हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीन से मौके पर ही छाती का एक्स-रे किया जाएगा। आधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक की मदद से मात्र 5 से 10 मिनट में रिपोर्ट उपलब्ध होगी, जिससे शुरुआती स्तर पर ही टीबी की पहचान संभव हो सकेगी।

जागरूकता रथ रवाना, 100 दिनों में घर-घर पहुंचेगा अभियान

अभियान को चार चरणों में संचालित किया जाएगा, जिसमें पहले चरण में घर-घर सर्वे कर संभावित मरीजों की पहचान की जाएगी। इसके बाद हाई रिस्क क्षेत्रों, भीड़भाड़ वाले स्थानों, शहरी और जनजातीय क्षेत्रों में विशेष जांच अभियान चलाया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में स्वास्थ्य मंत्री ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जो जिलेभर में अभियान का प्रचार-प्रसार करेगा। कार्यक्रम में वंदना देवी पावले, महापौर रामनरेश राय, सभापति संतोष सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष रशवंती सिंह, एमआईसी सदस्य नीलम सलूजा, मंडल अध्यक्ष पुरुषोत्तम सोनकर, राम लखन सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अंत में उपस्थित जनसमूह ने एक स्वर में संकल्प लिया कि हम सब ने ठाना है, छत्तीसगढ़ से टीबी को भगाना है। टीबी हारेगा, देश जीतेगा।

जिले में 203 मरीज उपचार, निक्षय योजना से मिल रही पोषण सहायता

वर्तमान में जिले में 203 टीबी मरीज उपचाररत हैं, जिनमें 7 एमडीआर और 4 टीबी संक्रमण के मरीज शामिल हैं। सभी मरीजों को निक्षय पोषण योजना के तहत केंद्र सरकार द्वारा 1000 रुपये प्रतिमाह (6 माह तक) तथा राज्य सरकार द्वारा अतिरिक्त 200 रुपये प्रतिमाह की सहायता दी जा रही है। वहीं वर्ष 2025-26 में 205 निक्षय मित्रों द्वारा 283 मरीजों को गोद लेकर पोषण आहार उपलब्ध कराया गया है। साथ ही जिले में 3 टू-नेट मशीन, 5 सामान्य एक्स-रे मशीन और 1 हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीन के माध्यम से जांच कार्य संचालित किया जा रहा है।

माता कौशल्या महोत्सव 2026 का भव्य शुभारंभ : चंद्रखुरी धाम में श्रद्धा और संस्कृति की झलक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

ग्राम चंद्रखुरी (जिला रायपुर) स्थित पावन माता कौशल्या धाम में माता कौशल्या महोत्सव 2026 का भव्य और गरिमामय शुभारंभ हुआ। दो दिवसीय इस महोत्सव के प्रथम दिवस पर श्रद्धा, भक्ति और छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक-सांस्कृतिक परंपराओं का अद्भुत संगम देखने को मिला, जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो उठा। महोत्सव के पहले दिन दोपहर 3 बजे मानस मंडलियों की भावपूर्ण प्रस्तुतियों के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जहां तीन प्रमुख मंडलियों ने अपनी मधुर वाणी से श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। सायं 6 बजे अतिथियों ने माता कौशल्या के दर्शन, पूजन एवं आरती कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की तथा इसके पश्चात विभागीय प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए शासन की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम दीप प्रज्वलन, माल्यार्पण एवं राजगीत के साथ प्रारंभ हुआ, मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री गुरु खुशवंत साहेब तथा अध्यक्षता सुश्री मोना सेन ने की। संस्कृति विभाग के संचालक विवेक आचार्य ने स्वागत उद्बोधन देते हुए विभागीय गतिविधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, वहीं अतिथियों ने अपने संबोधन में माता कौशल्या की महिमा, छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत तथा लोक परंपराओं के संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। रात्रि 8 बजे रंग छत्तीसा कार्यक्रम के अंतर्गत श्रीमती पूनम विराट तिवारी एवं छत्तीसगढ़ी लोक कला मंच द्वारा प्रस्तुत आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और देर रात तक तालियों की गूंज बनी रही।

चंद्रखुरी स्थित माता कौशल्या धाम देशभर में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। यह स्थान भगवान श्रीराम की माता कौशल्या का जन्मस्थान माना जाता है, जिसके कारण इसकी धार्मिक महत्ता अत्यंत बढ़ जाती है। मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह एक विशाल सरोवर के मध्य द्वीप के रूप में स्थित है, जहां तक सुंदर पुल के माध्यम से पहुंचा जाता है। जल से घिरा शांत वातावरण, भव्य मंदिर संरचना और आध्यात्मिक ऊर्जा इसे एक अनूठा तीर्थस्थल बनाते हैं, जो श्रद्धालुओं के साथ-साथ पर्यटकों को भी आकर्षित करता है।

राज्य सरकार द्वारा माता कौशल्या धाम को राष्ट्रीय स्तर के धार्मिक एवं पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। मंदिर परिसर का समग्र विकास, भव्य सौंदर्यीकरण, आकर्षक लैंडस्केपिंग, आधुनिक प्रकाश व्यवस्था तथा पर्यटकों के लिए मूलभूत सुविधाओं जैसे पेयजल, शौचालय, विश्राम स्थल एवं पार्किंग की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इसके साथ ही रायपुर से चंद्रखुरी तक सड़क मार्ग को सुगम एवं सुरक्षित बनाया गया है, जिससे यहां पहुंचना आसान हो गया है। सांस्कृतिक आयोजनों के लिए बेहतर व्यवस्थाएं की गई हैं, जिससे इस प्रकार के भव्य कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर संभव हो पा रहा है। स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे यह स्थल एक आदर्श धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में उभर रहा है।

माता कौशल्या महोत्सव न केवल एक धार्मिक आयोजन है, बल्कि यह छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, परंपरा और पहचान को सशक्त करने वाला महत्वपूर्ण मंच भी है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से जहां एक ओर श्रद्धालुओं की आस्था को मजबूती मिलती है, वहीं दूसरी ओर स्थानीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त होता है। मुख्य अतिथि गुरु खुशवंत साहेब ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के आयोजन प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। माता कौशल्या महोत्सव 2026 ने केवल आस्था और भक्ति का प्रतीक बनकर उभरा है, बल्कि राज्य सरकार की सांस्कृतिक संरक्षण और पर्यटन विकास के प्रति प्रतिबद्धता का भी सशक्त उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है, जिससे चंद्रखुरी धाम आज छत्तीसगढ़ की नई पहचान के रूप में स्थापित हो रहा है।

टीम प्रहरी अभियान जनहित में अभियान चलाकर मार्ग करवाया अतिक्रमण मुक्त

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला और रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार और नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप और यातायात एसपी अजय कुमार के निर्देशानुसार एएसपी यातायात विवेक शुक्ला, निगम अपर आयुक्त नगर निवेश पंकज के. शर्मा, नगर निवेशक आभाष मिश्रा, कार्यपालन अभियंता नगर निवेश आशुतोष सिंह, नगर निगम जोन 4 जोन कमिश्नर डॉ दिव्या चंद्रवंशी, कार्यपालन अभियंता शेखर सिंह, सहायक अभियंता दीपक देवांगन, उपअभियंता हिमांशु चंद्राकर सहित सम्बंधित यातायात पुलिस प्रशासन एवं नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश विभाग उड़न दस्ता, जोन क्रमांक 4 नगर निवेश विभाग की टीम द्वारा राजधानी शहर नगर निगम रायपुर क्षेत्र अंतर्गत जोन क्रमांक 4 क्षेत्र अंतर्गत मालवीय मार्ग में टीम प्रहरी अभियान अंतर्गत बाजार क्षेत्र में राजधानी शहर के प्रमुख मार्ग को अतिक्रमण से मुक्त करने व्यापक अभियान के अंतर्गत जनहित में जनसुविधा की दृष्टि से सुगम और सुव्यवस्थित यातायात देने सभी दुकानदारों को एक बार पुनः स्पष्ट हिदायत दी गयी कि है वे किसी भी हालत में सड़क पर कब्जा ना करें, अन्यथा की स्थिति में सड़क पर रखे उनके सभी सामानों की यातायात जाम की समस्या दूर करने जनहित में सख्तीपूर्वक तत्काल जब्ती कर ली जाएगी।

इस स्थिति के निर्मित होने पर सम्बंधित कब्जाधारी दुकानदार स्वतः जिम्मेदार रहेंगे। जनहितकारी टीम प्रहरी अभियान के अंतर्गत जोन क्रमांक 4 अंतर्गत मालवीय मार्ग में लगभग एक दर्जन ठेलों को बाजार के प्रमुख मार्ग को कब्जामुक्त करने कड़ाई से व्यवस्था सुधारने हटाने की कार्रवाई की गयी।

संपादकीय

धर्मांतरण पर सुप्रीम कोर्ट का स्वागतयोग्य फैसला

देश के कई राज्यों में धर्मांतरण किया जाता है और कराया भी जाता है। कोई अपनी स्वेच्छा से धर्मांतरण करता है तो इसका कोई विरोध नहीं करता है। इस देश में लोगों का अपना धर्म चुनने की आजादी है। वह अपना धर्म छोड़कर कोई दूसरा धर्म ग्रहण करते हैं। विरोध तो तब होता है जब किसी तरह का लोभ लालच देकर या किसी तरह का दबाव में आकर कोई धर्मांतरण करता है या बहुत से लोगों को कोई धर्मांतरण कराता है इस तरह के धर्मांतरण से किसी गांव, किसी क्षेत्र में सामाजिक अशांति फैलती है, सामाजिक ताना बाना प्रभावित होता है। हिंसा की घटनाएं होती है। धर्मांतरण का विरोध तब भी होता है जब कोई व्यक्ति अपना धर्म बदल लेता है और जिस जाति का वह अब नहीं है, उस जाति को मिलने वाले लाभ भी लेता है और लेते रहना चाहता है तो यहा विवाद यह होता है कि जब उस व्यक्ति ने धर्मांतरण कर लिया है यानी धर्म बदल लिया है तो वह एससी,एसटी में उसे मिलने वाला लाभ अब कैसे ले सकता है क्योंकि वह अब एससी,एसटी तो नही रहा।

कई आदिवासी बहुल क्षेत्रों में सरकार से मांग की जाती रही है कि एससी,एसटी वर्ग का कोई व्यक्ति यदि धर्म बदल लेता है, वह हिंदू से ईसाई हो जाता है तो उसे अब तक जो एससी,एसटी का होने के कारण लाभ मिलता रहा है, वह लाभ उसे नहीं मिलना चाहिए।बस्तर में ऐसे व्यक्ति का शव के दफनाने को लेकर विवाद होता रहा है जिसने अपना धर्म बदल लिया है लेकिन उसके शव को गांव में दफनाया गया है। गांव वालों का कहना रहा है कि वह हमारे धर्म का नहीं है, हमारे रीतिरिवाज नहीं मानता है तो उसके शव को गांव में दफनाया नहीं जा सकता। इसके कारण कई गांवों में तनाव की स्थिति पैदा हुई है। यानी लोगों को साफ मानना है कि गांव को कोई व्यक्ति यदि दूसरे धर्म का अपनाता है तो उसे एससी,एसटी का होने पर जो सुविधा मिलती थी, जो लाभ मिलता था अब गांव में नहीं मिलेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे एक मामले में अब साफ कर दिया है कि धर्म परिवर्तन करने वाला व्यक्ति जब दूसरा धर्म अपना लेता है तो वह एससी,एसटी का दर्जा खो देता है यानी वह एससी,एसटी नही रह जाता है। सुप्रीम कोर्ट के पास आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट से एक मामला आया था जिसमें यह फैसला दिया गया था कि अगर कोई व्यक्ति ईसाई धर्म अपना लेता है,ईसाई धर्म के अ ुसार जीता है तो उसे अनुसूचित जाति का व्यक्ति नहीं माना जा सकता। अदालत ने अपने फैसले में कहा है कि हिंदू धर्म,सिख धर्म व बौध्द धर्म के अलावा और किसी धर्म को मानने वाले व्यक्ति एससी,एसटी का नहीं माना जा सकता इसलिए उसे धर्म बदलने के बाद एससी,एसटी का होने पर जो लाभ मिलता अब उसे नहीं मिल सकता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि संविधानिक आदेश 1950 में साफ कहा गया है कि खंड तीन में बताए गए धर्मों के अलावा किसी भी धर्म में धर्मांतरण करने पर जन्म के बावजूद एससी,एसटी का दर्जा तुरंत समाप्त हो जाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश ऐसे मामले में दिया है जिसमें अजा के व्यक्ति ने ईसाई धर्म अपना लिया है और पास्टर का काम कर रहा है,उसके साथ मारपीट होने पर उसने कुछ लोगों के खिलाफ एससी,एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कराया था और संरक्षण की मांग की थी।उसने जिन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया था,उन लोगों ने हाईकोर्ट में चुनौती दी और दावा कि पीड़ित व्यक्ति तो ईसाई धर्म अपना चुका है इस पर हाईकोर्ट ने एससी,एसटी एक्ट हटाने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि ईसाई धर्म में जाति व्यवस्था नहीं है ऐसे में पीडित व्यक्ति एससी,एसटी कानून के प्रावधानों का लाभ लेने का पात्र नहीं है ।हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ पास्टर ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की तो सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है।

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के जज प्रशांत कुमार मिश्रा व एनवी अंजारिया ने कहा है कि इस मामले में यह अहम नहीं है कि अपीलकर्ता ईसाई धर्म से अपने मूल धर्म में धर्मांतरित हो गया है,या उसे मूल समुदाय ने स्वीकार कर लिया गया है या नहीं। बल्कि सबूतों से यह सिध्द होता है कि अपीलकर्ता ईसाई धर्म का पालन करता है और एक दशक से अधिक समय से बतौर पादरी काम कर रहा है।वह गांव के घर में नियमित तौर पर रविवार को प्रार्थना सभा आयोजित करता है।इन तथ्यों से इस बात में कोई शक नहीं है कि जब उसके साथ मारपीट हुई थी तो वह ईसाई था। इसलिए उसे अजा का नहीं माना जा सकता और अजा को मिलने वाला लाभ उसे नहीं मिल सकता।

राम नवमी विशेष : मर्यादा, आस्था और आदर्श जीवन का संदेश

सौरभ वार्ष्णेय

भए प्रगट कृपाला दीनदयाला कौसल्या हितकारी। हरषित महतारी मुनि मन हारी अद्भुत रूप बिचारी॥ यह चौपाई सुनते ही मन भी राममय हो जाता है। भारत की सांस्कृतिक परंपरा में त्योहार केवल उत्सव नहीं होते, बल्कि वे जीवन जीने की दिशा भी देते हैं। ऐसा ही एक पावन पर्व है राम नवमी, जो भगवान राम के जन्मोत्सव के रूप में पूरे देश में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है। वर्ष 2026 में भी यह पर्व लोगों के जीवन में आस्था, संयम और आदर्शों की नई ऊर्जा लेकर आएगा। राम नवमी चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाई जाती है। यह वही दिन है जब अयोध्या में राजा दशरथ के घर भगवान राम का जन्म हुआ था। राम केवल एक देवता ही नहीं, बल्कि आदर्श पुत्र, आदर्श राजा और आदर्श मानव के रूप में भी पूजे जाते हैं। उनका जीवन हमें सिखाता है कि कठिन परिस्थितियों में भी धर्म और सत्य का मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए।आज के बदलते सामाजिक परिदृश्य में राम के आदर्श और भी प्रासंगिक हो जाते हैं। जब समाज में नैतिक मूल्यों का ह्रास दिखाई देता है, तब राम का जीवन हमें मर्यादा, त्याग और कर्तव्यनिष्ठ की याद दिलाता है।

राम ने अपने पिता के वचन को निभाने के लिए 14 वर्षों का वनवास स्वीकार किया, जो आज के समय में कर्तव्य और परिवार के प्रति समर्पण का सर्वोच्च उदाहरण है।राम नवमी के अवसर पर देशभर के मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना होती है। भक्तजन व्रत रखते हैं, रामचरितमानस का पाठ करते हैं और भजन-कीर्तन के माध्यम से भगवान राम का गुणगान करते हैं। अयोध्या सहित अनेक स्थानों पर शोभायात्राएं निकाली जाती हैं, जो इस पर्व की भव्यता को और बढ़ा देती हैं।यह पर्व हमें केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं रखता, बल्कि एक बेहतर समाज के निर्माण की प्रेरणा भी देता है। रामराज्य की कल्पना—जहां न्याय, समानता और सुख-शांति हो—आज भी हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों का आधार बनी हुई है। राम नवमी हमें यह संदेश देती है कि सच्चाई, धैर्य और मर्यादा के मार्ग पर चलकर ही जीवन को सार्थक बनाया जा सकता है। यदि हम भगवान राम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं, तो न केवल हमारा व्यक्तिगत जीवन सुधरेगा, बल्कि समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन आएगा।

जीवन जीने की दिशा भी

भारत की सांस्कृतिक परंपरा में राम नवमी केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाली प्रेरणा भी है। यह दिन भगवान राम के जन्म का प्रतीक है, जिन्हें "मर्यादा पुरुषोत्तम" कहा जाता है—अर्थात मर्यादा, नैतिकता और आदर्श जीवन के सर्वोच्च उदाहरण।

आदर्शों से भरा जीवन

रामनवमी हमें सिखाती है कि जीवन केवल सफलता या सत्ता पाने का नाम नहीं है, बल्कि अपने कर्तव्यों और मूल्यों को निभाने का नाम है। भगवान राम ने हर परिस्थिति में सत्य, धर्म और कर्तव्य को सर्वोपरि रखा—चाहे वह वनवास हो, परिवार के प्रति जिम्मेदारी हो या प्रजा के प्रति कर्तव्य।

संतुलन और संयम का संदेश

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में जहां स्वार्थ और प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है, राम का जीवन संयम और संतुलन का संदेश देता है। उन्होंने क्रोध, अहंकार और लोभ पर नियंत्रण रखते हुए जीवन जिया—जो आज भी हर व्यक्ति के लिए मार्गदर्शक है।

रिश्तों की मर्यादा

रामनवमी हमें यह भी सिखाती है कि रिश्तों की गरिमा बनाए रखना कितना महत्वपूर्ण है। राम ने पुत्र, भाई, पति और राजा—हर भूमिका में आदर्श स्थापित किया। उनके जीवन से हमें यह सीख मिलती है कि संबंध केवल अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी होते हैं।

संघर्ष में भी धैर्य

जीवन में कठिनाइयाँ आना स्वाभाविक है, लेकिन राम का जीवन बताता है कि धैर्य और सकारात्मक सोच से हर संकट को पार किया जा सकता है। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने मार्ग से कभी विचलित नहीं हुए।

आज के संदर्भ में रामनवमी

आज के समय में रामनवमी केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे अपने जीवन में उतारने की जरूरत है। ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा, सहनशीलता और न्याय—ये सभी गुण हमें बेहतर इंसान और बेहतर समाज बनाने में मदद करते हैं।

रामनवमी हमें याद दिलाती है कि सच्चा उत्सव केवल बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक परिवर्तन में है। जब हम भगवान राम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाते हैं, तभी यह पर्व वास्तव में सार्थक होता है।

कल्याणकारी योजनाओं से संवर रहा तनीषा का भविष्य

नई दृष्टिबिंदु / बस्तर

ग्रामीण अंचलों में शिक्षा की अलख जगाने और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को संबल देने की शासन की मंशा अब धरातल पर रंग लाती दिख रही है। बस्तर जिले के विकासखण्ड बास्तानार के ग्राम तुरुंगुर निवासी किरण ठाकुर की कहानी इसका जीवंत उदाहरण है, जहाँ सरकारी सहायता ने एक पिता के अपनी बेटी को पढ़ाने के संकल्प को नई उड़ान दी है।

पंजीकृत निर्माण श्रमिक के रूप में कार्यरत किरण ठाकुर अपनी सुपुत्री तनीषा ठाकुर को बेहतर शिक्षा दिलाने के लिए प्रयासरत थे, जो वर्तमान में कक्षा 9वीं में अध्ययनरत है। इसी दौरान उन्हें अपने एक मित्र के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना के बारे में जानकारी प्राप्त हुई। शिक्षा के प्रति जागरूक किरण ने बिना देर किए आवश्यक दस्तावेजों के साथ श्रम संसाधन केंद्र में आवेदन किया, जिसके सुखद परिणाम जल्द ही सामने आए।

डीबीटी के माध्यम से किरण ठाकुर के बैंक खाते में मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत 3,000 रुपये की सहायता राशि सीधे हस्तांतरित की गई। इतना ही नहीं, उन्हें निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु निःशुल्क गणवेश एवं पुस्तक-कॉपी सहायता योजना का भी लाभ मिला, जिसके तहत 2,000 रुपये की अतिरिक्त राशि प्राप्त हुई। कुल 5,000 रुपये की इस आर्थिक सहायता ने तनीषा की पढ़ाई की राह में आने वाली वित्तीय बाधाओं को दूर कर दिया है।

अपनी खुशी जाहिर करते हुए किरण ठाकुर बताते हैं कि श्रम विभाग द्वारा संचालित ये योजनाएं उनके जैसे हजारों पंजीकृत श्रमिकों के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं। वे कहते हैं कि इन कल्याणकारी योजनाओं की निरंतरता से अब गरीब तबके के बच्चों की शिक्षा में पैसों की कमी आड़े नहीं आएगी। किरण ठाकुर की यह सफलता की कहानी आज क्षेत्र के अन्य श्रमिकों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन गई है, जो अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य का सपना देख रहे हैं।

ड्रेगन फ्रूट की उन्नत खेती से उमा और प्रकाश दंपति को प्रति एकड़ 1.25 लाख रुपए की आमदनी

महासमुंद जिले के बागबाहरा विकासखण्ड के ग्राम कुल्हरिया की कृषक श्रीमती उमा शुक्ला को राष्ट्रीय बागवानी मिशन के अंतर्गत फल क्षेत्र विस्तार योजना से जुड़कर खेती के क्षेत्र में अच्छी सफलता मिली। श्रीमती शुक्ला बताती है कि पूर्व में वे अपनी 1.62 हेक्टेयर भूमि पर पारंपरिक रूप से धान की खेती करती थीं, जिसमें औसतन 15 से 18 क्विंटल प्रति एकड़ उत्पादन होता था और आय सीमित रहती थी। सिंचित रकबा 1.00 हेक्टेयर तथा असिंचित 0.60 हेक्टेयर होने के बावजूद पारंपरिक खेती से अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा था।

उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन में श्रीमती शुक्ला दम्पति ने अपनी भूमि पर ड्रेगन फ्रूट की उन्नत खेती प्रारंभ की। उन्होंने आधुनिक तकनीकों को अपनाया, जिससे फसल की गुणवत्ता और उत्पादन दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। श्रीमती शुक्ला बताती है कि ड्रेगन फ्रूट की खेती शुरू करने के बाद पहले ही वर्ष में उन्हें लगभग 40 क्विंटल प्रति एकड़ उत्पादन प्राप्त हुआ, जिसे महासमुंद एवं बागबाहरा मंडी में लगभग 80 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से विक्रय किया। इससे उन्हें लगभग 1,25,000 रुपये की शुद्ध आय प्राप्त हुई। वही पहले धान की खेती में प्रति एकड़ कुल आय सीमित थी और लागत निकालने के बाद लाभ बहुत कम रह जाता था। ड्रेगन फ्रूट की खेती में प्रारंभिक लागत अधिक होने के बावजूद बेहतर बाजार मूल्य और उत्पादन के कारण कुल लाभ में वृद्धि हुई है। श्रीमती उमा शुक्ला की इस सफलता ने आसपास के किसानों को भी प्रेरित किया है। उनके प्रयासों को देखकर अन्य कृषक भी पारंपरिक खेती छोड़कर उद्यानिकी फसलों की खेती की ओर अग्रसर हो रहे हैं।

भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना की राशि बनी सहारा भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना अंतर्गत हितग्राहियों को राशि वितरण का कार्यक्रम कई परिवारों के जीवन में नई उम्मीद लेकर आया। यह सिर्फ आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि संघर्षरत परिवारों के लिए संबल और आत्मविश्वास का आधार बन रहा है। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के ग्राम संकरी की महिला हितग्राही श्रीमती चमेली सेन की आंखों में उस समय भावनाएं छलक उठीं, जब उन्हें मुख्यमंत्री के हाथों 10 हजार रुपए का चेक प्राप्त हुआ।

उन्होंने बताया कि उनके पास कृषि भूमि का एक छोटा सा टुकड़ा भी नहीं है। सिलाई मशीन के सहारे घर चलाने वाली चमेली और सैलून चलाने वाले उनके पति, सीमित आय में अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उन्होंने भावुक होकर कहा कि उनके दो बच्चे हैं, एक नर्सिंग और दूसरा इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा है। बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाना उनके लिए हमेशा एक बड़ी चुनौती रहा है। ह्यइस राशि मेरे बच्चों की स्कूल फीस भरने में काम आएगी। हमारे जैसे परिवार के लिए यह बहुत बड़ी मदद है,ह्व कहते हुए उनकी आवाज में संतोष और उम्मीद साफ झलक रही थी।

इसी गांव के एक अन्य हितग्राही धन्नूलाल धीवर के चेहरे पर भी राहत और खुशी साफ दिखाई दी। उन्होंने बताया कि उनका जीवन पूरी तरह मजदूरी पर निर्भर है। पिछले वर्ष भी उन्हें 10 हजार रुपए की सहायता मिली थी और इस वर्ष भी उतनी ही राशि प्राप्त हुई है। धन्नूलाल ने कहा, हम दोनों पति-पत्नी साथ रहते हैं और मजदूरी करके जीवन यापन करते हैं। पहले जरूरत के समय इधर-उधर भटकना पड़ता था, लेकिन अब इस सहायता से राहत मिली है। अब एक साल के लिए चिंता कम हो गई है। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी पत्नी को महतारी वंदन योजना की राशि भी मिलती है, जिससे दोनों मिलकर अपने घर की जरूरतों को पूरा कर पा रहे हैं।

धन्नूलाल धीवर की बातों में सुकून था, एक ऐसी राहत जैसे संघर्ष के बाद मिली हो। उन्होंने मुख्यमंत्री एवं सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना उनके जैसे गरीब और भूमिहीन परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है।

सू- दोकू क्र.353

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.352 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

डेयरी योजना बदल रही है धनमती की तकदीर

नई दृष्टिबिंदु / गरियाबंद

गरियाबंद जिले देवभोग विकासखंड के ग्राम कुम्हड़ाईखुर्द में पशुधन विभाग द्वारा संचालित डेयरी विकास योजनाओं का लाभ अब ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से दिखाई देने लगा है। देवभोग विकासखंड के ग्राम कुम्हड़ाईखुर्द की लाभार्थी धनमती बिसी ने डेयरी योजना के माध्यम से आत्मनिर्भरता की पहल पर उल्लेखनीय कदम बढ़ाया है। उन्हें पशुपालन विभाग योजना के अंतर्गत 5 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ, जिस पर 50 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान है। यह सहायता उनके लिए आर्थिक सशक्तिकरण का नया आधार साबित हो रही है।

धनमती बिसी अपने पति महेश बिसी के साथ मिलकर डेयरी व्यवसाय को आगे बढ़ा रही हैं। उन्होंने बताया कि योजना का लाभ मिलने से उन्होंने अपने डेयरी यूनिट का और विस्तार किया है। जिससे दूध उत्पादन में वृद्धि हुई है और परिवार की आय में भी स्थायी बढ़ोत्तरी हुई है। पशुधन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को स्थायी रोजगार उपलब्ध कराना और डेयरी क्षेत्र को मजबूत बनाना है। धनमती का कहना है कि अब वे न केवल परिवार की जरूरतें आसानी से पूरी कर पा रही हैं, बल्कि आगे चलकर और अधिक पशु पालन कर अपने कारोबार को और बड़ा करने की योजना भी बना रही हैं। उनके इस प्रयास को देखकर महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रहा है।

डिजिटल सेवा केंद्र से बदली रानी कुर्रे की जिंदगी

ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के लिए प्रेरणा बनकर उभरीं रानी कुर्रे ने अपने प्रयासों और डिजिटल तकनीक के उपयोग से आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम की है। कोरिया जिले के शिखा महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य रानी, ग्राम रनई की निवासी हैं और ज्योति क्लस्टर, पटना से जुड़ी हुई हैं।

आर्थिक रूप से चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में जीवनयापन कर रही रानी ने बिहान योजना के तहत अपने समूह से 50 हजार रुपये का ऋण प्राप्त कर वर्ष 2024-25 में कस्टमर सर्विस सेंटर की शुरुआत की। इस केंद्र के माध्यम से वे आधार, पैन कार्ड, बिल भुगतान और विभिन्न सरकारी सेवाएं ग्रामीणों तक पहुंचा रही हैं।

शुरुआत में डिजिटल सेवाओं के प्रति लोगों को जागरूक करना और उनका विश्वास जीतना आसान नहीं था, लेकिन रानी ने धैर्य और निरंतर प्रयासों से धीरे-धीरे अपनी पहचान बना ली। आज उनका केंद्र गांव के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा केंद्र बन चुका है।

रानी की मेहनत का परिणाम है कि आज वे सालाना लगभग 1 लाख 50 हजार रुपए की आय अर्जित कर रही हैं, जबकि उनकी मासिक आय 14 हजार से 14 हजार 500 रुपए तक पहुंच गई है। इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

रानी कुर्रे न केवल खुद आत्मनिर्भर बनी हैं, बल्कि उन्होंने अपने गांव में डिजिटल सेवाओं की पहुंच बढ़ाकर अन्य महिलाओं को भी स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया है। समाज में उन्हें सम्मान और पहचान भी मिली है।

समीक्षा बैठक : जनगणना कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता और संवेदनशीलता के साथ पूर्ण करें : कलेक्टर सुश्री ममगाई

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिलाधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर विभागीय योजनाओं, सेवाओं और कार्यक्रमों की गहन समीक्षा की। कलेक्टर ने छत्तीसगढ़ में जनगणना कार्य को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश दी। उन्होंने जनगणना कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता और संवेदनशीलता के साथ पूर्ण करने निर्देशित की। बैठक में उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनगणना एक राष्ट्रीय महत्व का कार्य है, जिसे सभी संबंधित अधिकारी सर्वोच्च प्राथमिकता और पूर्ण संवेदनशीलता के साथ समय सीमा में पूरा करें। कलेक्टर ने कहा कि जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही भविष्य की सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों का खाका तैयार होता है। अतः डेटा प्रविष्टि और गणना में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने मैदानी स्तर पर कार्य करने वाले प्रगणकों को आम नागरिकों से जानकारी लेते समय अत्यंत विनम्र और संवेदनशील रहने कहा है। जिसमें सटीक जानकारी प्राप्त हो सके।

कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को सौंपे गए लक्ष्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने के कड़े निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने समय-सीमा की बैठक में इसकी निरंतर मॉनिटरिंग करने की बात कही है। कलेक्टर ने कहा योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर विलंब या उदासीनता बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर ने जल संरक्षण, संवर्धन एवं संग्रहण के लिए जिले के सभी ग्राम पंचायतों में सोख्ता गड्ढा और रेन वाटर हार्वेस्टिंग हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दी है। कलेक्टर ने आगामी ग्रीष्म ऋतु और गिरते भू-जल स्तर को देखते जिले के सभी विकासखंडों और ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश जारी किए हैं। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में जल संग्रहण की दिशा में सोख्ता गड्ढा और रेन वाटर हार्वेस्टिंग एक प्रभावी कदम साबित होगा। उन्होंने कहा कि जिले की सभी ग्राम पंचायतों के शासकीय भवनों, स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों और पंचायत सचिवालयों में अनिवार्य रूप से रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित किए जाएं। इसी तरह हैंडपंपों और सार्वजनिक नलों के पास व्यर्थ बहने वाले पानी के संचयन के लिए वैज्ञानिक पद्धति से सोख्ता गड्ढों का निर्माण सुनिश्चित किया जाए, ताकि भू-जल स्तर में सुधार हो सके। कलेक्टर ने मनरेगा का अभिसरण के संबंध में राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना और 15वें वित्त आयोग के तालमेल से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर ने जन-भागीदारी से ग्रामीणों को जल की महत्ता समझाने के लिए ग्राम सभाओं के माध्यम से जागरूक करने कहा। जिससे वे अपने निजी घरों में भी जल संचयन की तकनीक अपनाएं। बैठक के दौरान सभी जनपद सीईओ और तकनीकी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि इन संरचनाओं का निर्माण गुणवत्तापूर्ण हो। कलेक्टर ने चेतावनी दी है, कि जल संरक्षण के कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और इसकी प्रगति की समीक्षा साप्ताहिक आधार पर की जाएगी।

खास खबर

डोंगरगांव विकासखंड के विभिन्न ग्रामों में विकास कार्यों के लिए प्रशासकीय स्वीकृति

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना अंतर्गत डोंगरगांव विकासखंड के विभिन्न ग्रामों में विकास कार्यों के लिए 23 लाख 94 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। उन्होंने ग्राम रामपुर में नाली निर्माण कार्य के लिए 3 लाख 94 हजार रूपए, ग्राम मोहभट्ठा में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 6 लाख 50 हजार रूपए, ग्राम चिद्दो में शेड निर्माण कार्य हेतु 2 लाख 50 हजार रूपए, ग्राम सांगिनकछार में शेड निर्माण कार्य हेतु 3 लाख रूपए, ग्राम अड़ाम में अटल सद्भावना भवन निर्माण हेतु 3 लाख रूपए, ग्राम माथलडबरी में अटल सद्भावना भवन निर्माण हेतु 3 लाख रूपए, ग्राम साल्हे में शेड निर्माण कार्य हेतु 2 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। उन्होंने निर्माण एजेंसियों को समय-सीमा में गुणवत्तायुक्त निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए है।

मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना - प्राक्कयन परीक्षा के लिए 17 अप्रैल तक ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना अंतर्गत वर्ष 2026-27 में प्रदेश में संचालित प्रयास आवासीय विद्यालयों के कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु प्राक्कयन परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। प्राक्कयन परीक्षा में शामिल होने के लिए इच्छुक विद्यार्थी 17 अप्रैल तक ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। ऑनलाईन भरे गये आवेदन पत्र में त्रुटि सुधार 21 अप्रैल 2026 तक किया जा सकता है। जिला स्तर पर दस्तावेजों का परीक्षण 28 जुलाई तक किया जाएगा। परीक्षा में शामिल होने के लिए प्रवेश पत्र 1 मई से डाउनलोड किया जा सकता है। प्राक्कयन परीक्षा 10 मई 2026 को आयोजित की जाएगी।

मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना अंतर्गत प्रयास अवासीय विद्यालयों में प्रदेश के प्रतिभावान विद्यार्थियों को कक्षा 9वीं से 12वीं तक उत्कृष्ट स्कूली शिक्षा के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर की मेडिकल, इंजीनियरिंग, सीए, सीएस, सीएमए, क्लैट तथा एनडीए की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने के लिए सघन तैयारी करायी जाती है। ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत करने एवं अन्य जानकारी वेबसाईट https://eklavya.cg.nic.in/PRSMS/Student-admission-Detail तथा कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास राजनांदगांव से प्राप्त की जा सकती है।

उप मुख्यमंत्री ने 10 समूहों को सौंपी मैजिक वाहन की चाबी, परिवहन व्यवसाय में महिलाओं की एंट्री

कबीरधाम में दीदियों ने संभाली स्टीयरिंग, उपमुख्यमंत्री शर्मा बने पैसेंजर

नई दृष्टिबिंदु / कबीरधाम

जिले में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक अभिनव और प्रेरणादायक पहल सामने आई है, जहां अब तक पुरुष प्रधान माने जाने वाले परिवहन व्यवसाय में महिलाओं की भागीदारी का नया अध्याय शुरू हुआ है। इस अवसर पर स्व सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं ने जब स्टीयरिंग संभाली तो उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा भी उनके पैसेंजर बन गए। पहले परिवहन व्यवसाय केवल पुरूष प्रधान कार्य माना जाता था, जिस मिथक को तोड़ अब समूह की महिलाएं स्टेयरिंग थामकर आजीविका का सशक्त साधन तैयार करने के साथ ग्रामीण परिवहन व्यवस्था की भी नई गति देने जा रही हैं।

सरस मेले के शुभारंभ के अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने जिले की 10 महिला समूहों को 'आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस' योजना के तहत सीएलएफ मैजिक वाहन वितरित किए। इस दौरान उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि इन वाहनों का वितरण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रत्येक वाहन की लागत लगभग 7.50 लाख रुपये है, जिसमें से 5 लाख रुपये केंद्र सरकार द्वारा अनुदान के रूप में दिए गए हैं। शेष राशि का प्रबंधन संबंधित समूहों द्वारा किया गया है, जिससे महिलाओं में आत्मनिर्भरता और जिम्मेदारी की भावना भी विकसित होगी।

उन्होंने कहा कि अब स्व सहायता समूह की महिलाएं अपने क्षेत्रों में यात्रियों को परिवहन सुविधा उपलब्ध कराकर आय का स्रोत विकसित करेंगी। विशेष रूप से दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों में यह पहल आमजन के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी, जहां अब तक परिवहन की कमी एक बड़ी समस्या रही है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने महिलाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि यह पहल केवल शुरुआत है। यदि महिलाएं इस अवसर का पूरी लगन और समर्पण से उपयोग करें, तो वे लखपति दीदी बनने के लक्ष्य को भी प्राप्त कर सकती हैं। यह योजना महिलाओं की आय में वृद्धि के साथ-साथ उन्हें आत्मसम्मान और समाज में नई पहचान दिलाने का माध्यम बनेगी।

वाहन संचालन के लिए महिलाओं को ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान से ट्रेनिंग दी गई है। यह वाहन 10 अलग अलग संकुल के महिला समूहों 10 विभिन्न ग्रामीण रूट पर संचालन हेतु प्रदान किया गया है। इस पहल के तहत महिला समूह की सदस्य अब टाटा मैजिक वाहन संचालित कर परिवहन व्यवसाय से जुड़ेंगी। यह योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ सामाजिक स्तर पर उनकी भूमिका को भी सशक्त करेगा। योजना के तहत ये महिलाएं जिले के वनांचल एवं मैदानी क्षेत्रों में, जहां आवागमन के साधन सीमित हैं, वहां यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराने का कार्य करेंगी। इससे न केवल दूरस्थ ग्रामीण इलाकों में परिवहन सुविधा सुलभ होगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शिक्षकों का किया गया सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिला स्तरीय विनोबा कार्यक्रम अंतर्गत डोंगरगढ़ विकासखंड में पोस्ट ऑफ द मंथ के तहत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विकासखंड शिक्षा अधिकारी डोंगरगढ़ श्रीनिवास मिश्रा, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी गोपी वर्मा एवं सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी विरेन्द्र कौर गर्चा की उपस्थिति में प्रीति बाला लाटिया, करण माधवानी, वर्षा अग्रवाल, पूनम रानी खुटे, तिकिर्ति चंद्रवंशी, कमलेश्वरी वर्मा, धनुष राम कंवर, संगीता देवांगन एवं सुमिता शर्मा को लाइब्रेरी बैग प्रदान कर सम्मानित किया।

जिला प्रभारी विनोबा एप एनरेन्द्र साहू ने बताया कि ओपन लिंक फाउंडेशन द्वारा संचालित जिला स्तरीय विनोबा कार्यक्रम अंतर्गत प्रत्येक माह पोस्ट ऑफ द मंथ के माध्यम से शिक्षकों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिल रहा है। इसके माध्यम से शिक्षक अपने विद्यालयों में बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों एवं गतिविधि-आधारित अधिगम को प्रोत्साहित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि विनोबा एप के माध्यम से शिक्षक अपनी शैक्षणिक गतिविधियों को साझा करते हैं। जिनमें से उत्कृष्ट पोस्ट का चयन कर शिक्षकों को प्रतिमाह पोस्ट ऑफ द मंथ से सम्मानित किया जाता है। इस पहल से शिक्षकों का उत्साहवर्धन होने के साथ ही एक-दूसरे से प्रेरणा लेकर अपने कार्य को और अधिक प्रभावी बना रहे हैं।

कलेक्टर प्रजापति ने मोहला के निर्माणाधीन हाट बाजार का किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

जिले के विकास कार्यों की सतत मॉनिटरिंग के तहत कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने मोहला स्थित निर्माणाधीन हाट बाजार का स्थल निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि हाट बाजार निर्माण कार्य को तय समय-सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए, ताकि व्यवसायियों को शीघ्र ही बेहतर सुविधाओं का लाभ मिल सके। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन बोर्ड संभागीय कार्यालय दुर्ग से कार्यपालन अभियंता परमेश्वर प्रसाद जायसवाल, उप अभियंता परिवेश ठाकुर, सहायक अभियंता अजय प्रताप सिंह सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान कृषि विपणन बोर्ड के अधिकारी उपस्थित रहे, जिन्होंने कलेक्टर को हाट बाजार के प्रस्तावित ले-आउट एवं विभिन्न निर्माण कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। कलेक्टर ने ले-आउट का बारीकी से अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने आवश्यक सुधार के सुझाव भी दिए, जिससे हाट बाजार परिसर को अधिक सुव्यवस्थित एवं उपयोगी बनाया जा सके। कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने कहा कि निर्माण कार्यों को कार्ययोजना के अनुरूप चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। उन्होंने प्रत्येक कार्य के लिए समयबद्ध योजना तैयार कर उसी के अनुसार क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो। साथ ही उन्होंने निर्माण सामग्री की गुणवत्ता तथा तकनीकी मानकों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने हाट बाजार में मौजूद पुराने स्ट्रक्चर का भी अवलोकन किया। उन्होंने निर्देशित किया कि पुराने भवनों एवं संरचनाओं की मरम्मत कर उन्हें उपयोगी एवं बेहतर बनाया जाए, ताकि उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही कलेक्टर ने मानपुर में प्रस्तावित हाट बाजार निर्माण कार्य की भी जानकारी ली। इस संबंध में विभागीय अधिकारियों ने बताया कि स्थल की साफ-सफाई का कार्य किया जा चुका है तथा शीघ्र ही निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा। कलेक्टर ने मानपुर हाट बाजार का कार्य भी समय-सीमा में प्रारंभ कर प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए।

सरस मेला से महिला समूह के उद्यमिता को मिलेगी व्यापक पहचान- शर्मा

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कवर्धा में चार दिवसीय संभागीय सरस मेले का किया शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान अंतर्गत सरदार पटेल मैदान कवर्धा में आयोजित चार दिवसीय संभागीय सरस मेला का शुभारंभ उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने किया। इस अवसर पर उन्होंने महिला समूहों को विभिन्न योजनाओं के तहत 11.43 रूपये की सहायता राशि के चेक वितरण किए, जो महिला समूहों के आजीविका संवर्धन में सहायक सिद्ध होंगे। इस दौरान पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद कवर्धा चन्द्रप्रकाश चन्द्रवंशी, कलेक्टर गोपाल वर्मा, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक अग्रवाल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चन्द्रवंशी सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहें।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने सभी स्टालों का निरीक्षण कर महिला समूह के सदस्यों से उनके व्यवसाय की जानकारी ली। स्टाल में दीदियों से चर्चा करते हुए व्यवसाय के लिए कच्चे माल उसके उत्पादन और विक्रय की जानकारी ली। लखपति दीदियों से बात करते हुए उन्होंने कहा की ग्रामीण महिलाएं अपने परिवार का मजबूत आधार स्तंभ बनकर उभरी है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में सहयोग प्रदान कर रही है।

उन्होंने बताया कि संभागीय सरस मेला के आयोजन से दुर्ग संभाग के सभी सात जिलो के महिला स्व सहायता की दीदीयां लाभान्वित हो रही हैं। समूह द्वारा बनाये गए दैनिक उपयोग के आकर्षक सामाग्री, जैविक खादय पदार्थ एवं अन्य उपयोगी वस्तुओं को विक्रय के लिए उचित मंच मिल रहा है। स्थानीय स्तर पर वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देने के लिए यह आयोजन राज्य शासन द्वारा निर्धारित किया गया है। इस आयोजन से ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक लाभ होगा जिससे वे आत्मनिर्भर होने की दिशा मे आगे बढ़ेगी। हमारा प्रयास है कि ग्रामीण भारत को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए महिलाओं की पूरी भागीदारी हो और वे अपने लघु व्यवसाय से उद्यमी की पहचान हासिल कर सके। मेले में आए सभी स्व सहायता समूह की दीदियों को उपमुख्यमंत्री ने उनके व्यवसाय के लिए शुभकामनाएं दी और उम्मीद जताई कि इस आयोजन से क्षेत्र की जनता को लाभ होगा।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि प्रदेश की महिलाएं आज आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही हैं। प्रदेश में 2 लाख 69 हजार से अधिक महिला स्व सहायता समूह संचालित हैं, जिनसे लगभग 30 लाख महिलाएं जुड़ी हुई हैं। इन समूहों से जुड़ने के बाद महिलाओं के आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा दीदी के गोठ कार्यक्रम का भी संचालन किया जा रहा है, जिसके माध्यम से स्व सहायता समूह की महिलाएं अपने नवाचारी कार्यों को साझा करती हैं। यह कार्यक्रम हिंदी के साथ-साथ गोंडी और हल्बी भाषा में भी संचालित किया जा रहा है, जिससे बस्तर अंचल की महिलाएं भी इसे आसानी से समझ पा रही हैं। इससे प्रदेशभर में महिलाओं द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों की जानकारी एक-दूसरे तक पहुंच रही है। प्रदेश में 300 महतारी सदनों का निर्माण भी किया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि सरकार महिलाओं और बुजुर्गों को मिलने वाली पेंशन राशि अब उनके गांव में ही उपलब्ध कराने की व्यवस्था कर रही है। इसके लिए हर ग्राम पंचायत में अटल डिजिटल सेवा केंद्र खोले जा रहे हैं। उन्होंने बनासकांठा के अनुभव को साझा करते हुए बताया कि वहां सहकारी (कॉपरेटिव) मॉडल के माध्यम से महिलाएं बड़े उद्योगों से जुड़कर व्यापक स्तर पर दुग्ध उत्पादन कर रही हैं और आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ में भी स्व सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं छोटे बड़े उद्योगों का संचालन कर सकती हैं। उन्होंने आगे बताया कि सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पादों के विपणन को बढ़ावा देने के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म एप्लीकेशन विकसित करने की तैयारी की जा रही है। इस एप के माध्यम से आम नागरिक सीधे महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित सामग्री को आसानी से खरीद सकेंगे, जिससे महिलाओं को बेहतर बाजार उपलब्ध होगा

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घरों का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। इन आवासों के निर्माण में अब महिला स्व सहायता समूह की महिलाएं डीलर दीदी के रूप में जुड़कर छड़ और सीमेंट की सब-डीलर बन रही हैं। इसके साथ ही वे सेंट्रिंग प्लेट निर्माण जैसे कार्यों में भी सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो रही है।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बताया कि आज सरस मेला में बैंक लिंकेज के तहत 10 करोड़ रुपए की राशि का अंतरण किया जाएगा। 271 महिला स्व सहायता समूहों को 40 लाख 65 हजार रुपए की चक्रीय निधि दी जाएगी। इसी प्रकार 172 समूहों को सामुदायिक निवेश निधि के तहत सीएफएल के माध्यम से 1 करोड़ 3 लाख 20 हजार रुपए प्रदान किए जाएंगे। जिससे महिलाएं अपने व्यवसाय को और मजबूत बना सकेंगी।

जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि सरकार का प्रयास है कि महिला समूहों को अधिक से अधिक संख्या में स्व रोजगार के अवसरों से जोड़ा जाए। यह सरस मेला महिला समूहों के उत्पादों के लिए एक प्रभावी मंच उपलब्ध करा रहा है। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने सरस मेला आयोजन के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इसका 23 मार्च से 26 मार्च तक होगा। मेले में सभी आयु वर्ग के लोगो के लिए महिला समूह द्वारा तैयार किये गये आकर्षक सामान उपलब्ध है। मिलेट से बने अनेकों प्रकार के बिस्कुट, आचार, पापड़, फिनायल, दोना-पत्तल, अगरबत्ती, बिरनमाला एवं हैण्डलूम के बने बैग इत्यादी स्थानीय स्तर पर तैयार किये गये है।

उल्लेखनीय है कि इस संभागीय सरस मेले में कबीरधाम जिले के साथ-साथ जिला राजनांदगांव, दुर्ग, बेमेतरा, बालोद, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, मोहला-मानपुर, अंबागढ़ चौकी के महिला स्व सहायता समूह द्वारा प्रदर्शनी लगायी गई है। बिहान की दीदियों द्वारा स्थानीय स्तर पर तैयार की गई वस्तुओं का व्यापक प्रचार कर विक्रय के लिए मंच उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे की आजीविका संवर्धन की गतिविधियों को बढ़ावा मिले।

खनिजों के अवैध उत्खनन व परिवहन पर की गई कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार खनिज विभाग द्वारा जिले में खनिज का अवैध उत्खनन एवं परिवहन करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। खनि अधिकारी ने बताया कि खनिज विभाग की टीम द्वारा आज टेलकाडीह, सोमनी, धोरी, डुमरडीहकला, चारभाटा, घुमका सहित अन्य क्षेत्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान खनिज अमला द्वारा खनिज रेत का अवैध परिवहन करने वालों पर कार्रवाई की गई। जिसमें दुर्ग निवासी गजेन्द्र चौहान के स्वामित्व की हाईवा-सीजी 07 बीवी 5232 से रेत का अवैध परिवहन करने पर कार्रवाई करते हुए थाना सोमनी थाना राजनांदगांव निवासी पदम चोपड़ा के स्वामित्व की हाईवा-सीजी 08 एके 1989 से चूना पत्थर का अवैध परिवहन करने पर कारवाई करते हुए थाना टेलकाडीह को सुपुर्द किया गया। प्रकरणों में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन के रोकथाम के लिए ग्रामों में मुनादी कराई गई है तथा खनिज विभाग द्वारा लगातार गस्त व निगरानी की जा रही है।

सिद्धार्थ आनंद की अगली हॉरर फिल्म का हिस्सा होंगे अभिषेक बच्चन

अभिषेक बच्चन ने अपने अब तक के करियर में अलग-अलग जॉनर की फिल्म की हैं, लेकिन एक खास जॉनर करने से वह चूके गए हैं। अब वह सिद्धार्थ आनंद की अगली हॉरर फिल्म का हिस्सा होंगे। इस फिल्म की कहानी को लेकर भी अपडेट सामने आया है।

इस जॉनर में अभिनय करेंगे अभिषेक बच्चन

वैरायटी इंडिया के मुताबिक 'किंग' फिल्म के डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद अपनी मारफिक्स बैनर तले एक हॉरर फिल्म बनाएंगे। इस फिल्म में ही अभिषेक बच्चन अभिनय करेंगे। कहानी के बारे में बात करें तो यह फिल्म एक पिता और बेटी के इमोशनल रिश्ते पर होगी। फिल्म की बड़े स्तर पर वीएफएक्स का काम भी किया जाएगा। वैसे अब तक इस बात की ऑफिशियल अनाउंसमेंट मेकर्स ने नहीं की है।

फिल्म 'किंग' में नेगेटिव रोल कर रहे हैं

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अभिषेक बच्चन फिल्म 'किंग' में नेगेटिव रोल कर रहे हैं। इस फिल्म में शाहरुख खान लीड रोल में हैं। वहीं किंग खान की बेटी सुहाना खान भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म के टीजर में शाहरुख खान एवशन अंदाज में नजर आए थे।

रोल में एक्सपेरिमेंट कर रहे हैं अभिषेक

अभिषेक बच्चन के पास एक और फिल्म है, जिसे रितेश देशमुख ने निर्देशित किया है। फिल्म का नाम 'राजा शिवाजी' है। यह एक ऐतिहासिक फिल्म है जो छत्रपति शिवाजी महाराजा पर होगी। अभिषेक बच्चन की पिछली फिल्म 'कालीधर लापता' थी, यह एक इमोशनल ड्रामा फिल्म थी। इस फिल्म के लिए अभिषेक को काफी सराहा गया था।

अल्लू अर्जुन संग साउथ फिल्म में अनुष्का शर्मा की एंट्री!

क्या 8 साल बाद करेंगी वापसी?

साउथ स्टार अल्लू अर्जुन अपनी आगामी फिल्म पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन 'जवान' फिल्म के डायरेक्टर एटली कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक, फिल्म में कई बड़े स्टार्स हैं, जिनमें दीपिका पादुकोण लीड रोल में हैं। अब नई खबरों के अनुसार, अनुष्का शर्मा भी इस साइंस फिक्शन फिल्म में नजर आएंगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, बॉलीवुड की एक और बड़ी स्टार इस प्रोजेक्ट से जुड़ने वाली हैं। बताया जा रहा है कि वे फिल्म में शामिल होने के लिए बातचीत कर रही हैं और अगर यह सच साबित होता है, तो यह उनकी पहली तेलुगू फिल्म होगी। हालांकि, अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

अनुष्का शर्मा की आखिरी फिल्म

अनुष्का शर्मा आखिरी बार 2018 में शाहरुख खान और कटरीना कैफ के साथ आई फिल्म 'जीरो' में नजर आई थीं। तब से वो किसी लीड रोल में नजर नहीं आई हैं। यह बताना जरूरी है कि निर्माता के तौर पर काम करने के बाद से अनुष्का किसी भी एक्टिंग प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा में नहीं हैं। वह 2022 में पूर्व भारतीय महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी की बायोपिक फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस' में काम करने वाली थीं।

अनुष्का की फिल्म टलने की आशंका हालांकि, इसके टलने की आशंका है और यहां तक कि इसके बंद होने की भी अफवाहें हैं। अनुष्का शर्मा और उनके पति विराट कोहली फिलहाल अपने बेटे और बेटी के साथ लंदन में रहते हैं।

अल्लू अर्जुन के साथ ये एक्ट्रेसेस भी

फिल्म की बात करें तो, खबरों के मुताबिक इस फिल्म में मृणाल ठाकुर, जाह्नवी कपूर और रश्मिका मंदाना समेत कई फीमेल एक्टर्स नजर आ रही हैं। ऐसी भी चर्चा है कि रश्मिका मंदाना फिल्म में निगेटिव रोल कर सकती हैं। अल्लू अर्जुन भी फिल्म में कई किरदारों में नजर आएंगे।

अल्लू अर्जुन की अगली फिल्म

फिल्म का संगीत साई अभ्यंकर द्वारा तैयार किया जाएगा। वहीं, एटली के साथ काम करने के बाद, अल्लू अर्जुन लोकेश कनगराज के साथ काम करेंगे, जिसमें मशहूर संगीतकार अनिरुद्ध संगीत देंगे। फिल्म की शूटिंग 2026 में शुरू होने वाली है।

क्या मणिरत्नम की फिल्म में नजर आएंगे विजय सेतुपति?

गर्मियों में शुरू होगी शूटिंग

साउथ अभिनेता विजय सेतुपति इन दिनों अपनी कई फिल्मों की शूटिंग में काफी व्यस्त हैं। विजय जल्द ही मशहूर निर्देशक मणिरत्नम की अगली फिल्म में काम शुरू करने वाले हैं। जानिए कैसी होगी फिल्म और कौन होगी फिल्म की मुख्य अभिनेत्री?

कैसी होगी विजय की आने वाली फिल्म

यह एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म होगी। इसमें विजय के साथ साई पल्लवी मुख्य अभिनेत्री के तौर पर नजर आएंगी। विजय की मणिरत्नम के साथ यह दूसरी फिल्म है। इस फिल्म से पहले वह मणिरत्नम के साथ 2018 में फिल्म 'चेक्का चिवंथा वानम' नाम की फिल्म में काम कर चुके हैं, लेकिन इस बार कुछ बिल्कुल अलग और नया करने जा रहे हैं।

कब शुरू होगी शूटिंग

रिपोर्ट के अनुसार, इस फिल्म की शूटिंग इस साल गर्मियों में शुरू हो सकती है। इस फिल्म के म्यूजिक के लिए प्रतिभा साई अभ्यंकर से बात चल रही है। फिल्म को मद्रास टॉकीज और लाइका प्रोडक्शंस मिलकर बना रहे हैं। हालांकि, अभी इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा होना बाकी है। विजय सेतुपति की आने वाली तमिल फिल्म 'अरसन' है। इसमें सिलंबरासन मुख्य भूमिका में हैं। यह एक गैंगस्टर एक्शन ड्रामा है, जिसका संगीत अनिरुद्ध रविचंदर दे रहे हैं। पहले अफवाहें थीं कि व्यस्तता के कारण विजय इस प्रोजेक्ट से बाहर हो गए, लेकिन अब विजय ने साफ कर दिया है कि वह इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म की शूटिंग जारी है।

पॉकेट नॉवेल में नजर आएंगे विजय

विजय सेतुपति निर्देशक थियागराजन कुमाराराजा की फिल्म 'पॉकेट नॉवेल' में काम कर रहे हैं। इसमें मालविका मोहनन और राज बी शेट्टी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म में किशोर भी महत्वपूर्ण किरदार में होंगे। इसकी पटकथा एंड्रयू लुईस ने लिखी है। इसका संगीत इलैयाराजा का है।

जान्हवी कपूर ने छोड़ा करण जौहर का साथ, प्रोड्यूसर ने तोड़ी चुप्पी

करण जौहर प्रोड्यूस कई फिल्मों में जान्हवी कपूर ने अभिनय किया है। लगता है कि अब वह अलग रास्ते पर चलना चाहती हैं कि यही वजह है कि हाल ही में वह करण जौहर की टैलेंट एजेंसी से अलग हो गई।

करण जौहर ने जान्हवी कपूर को लेकर क्या कहा?

हाल ही में बातचीत में करण जौहर कहते हैं, 'कुछ टैलेंट ऐसे होंगे जो हमारे पास आएंगे और चले जाएंगे। तीन बड़ी एजेंसियों के बीच हमेशा पासिंग द पार्सल जैसा खेल चलता रहता है।' करण जौहर ने यह भी बताया कि उनकी टैलेंट एजेंसी सबसे ज्यादा बिजनेस करती है। करण जौहर बातचीत में आगे कहते हैं, 'जिस किसी ने भी हमारी एजेंसी छोड़ी है, मैं हमेशा उनके लिए अच्छा ही चाहूंगा, उनके साथ काम भी करूंगा। कई बार ऐसा हुआ है कि उन्होंने हमारी एजेंसी छोड़ दी है, लेकिन मैं फिर भी उनके साथ काम करता रहता हूं।' इस जवाब से करण जौहर ने जता दिया कि वह आगे भी जान्हवी कपूर के साथ काम कर सकते हैं।

किंग के बाद फिर करेंगे रोमांस शाहरुख खान

शाहरुख खान एक बार फिर बड़े पर्दे पर रोमांस का जादू बिखेरने की तैयारी में हैं। हाल ही में आई रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म 'किंग' के बाद किंग खान एक बिग बजट रोमांटिक फिल्म में नजर आ सकते हैं। खास बात यह है कि इस फिल्म में उनका लुक काफी अलग और विंटेज स्टाइल का होगा, जो दर्शकों के लिए नया अनुभव लेकर आएगा। रिपोर्ट के मुताबिक यह फिल्म क्लासिक लव स्टोरी पर आधारित होगी, जिसमें इमोशंस और पुराने दौर की फीलिंग्स को मॉडर्न टच के साथ पेश किया जाएगा। मेकर्स इस प्रोजेक्ट को बड़े स्तर पर बनाने की तैयारी कर रहे हैं, ताकि दर्शकों को एक भव्य सिनेमैटिक अनुभव मिल सके।

रिपोर्ट के मुताबिक शाहरुख इस फिल्म में एक परिपक्व और गहराई वाले किरदार में दिखाई देंगे। उनका यह अवतार उनके पुराने रोमांटिक इमेज की याद दिलाएगा, जिसे दर्शकों ने 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ कुछ होता है' और 'वीर-जारा' जैसी फिल्मों में खूब पसंद किया था। लंबे समय बाद वे इस जोनर में वापसी कर रहे हैं, जिससे फैंस की उत्सुकता और भी बढ़ गई है। फिल्म की कहानी, डायरेक्टर और बाकी स्टारकास्ट को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इंडस्ट्री में इस प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा तेज हो गई है। मेकर्स इस फिल्म को इंटरनेशनल लेवल पर प्रमोट करने की योजना बना रहे हैं। गौरतलब है कि शाहरुख खान ने पिछले कुछ सालों में 'पठान' और 'जवान' जैसी एवशन फिल्मों से बॉक्स ऑफिस पर शानदार वापसी की है। अब वे फिर से अपने रोमांटिक अंदाज में लौटने वाले हैं, जो उनके करियर की पहचान रहा है।

'डकैत' में दिखेगी एंग्री लव स्टोरीः इंडियन सोल और अमेरिकन टेक्नीक का मेल है ये फिल्म

अदिवि शेष जल्द ही 'डकैतः ए लव स्टोरी' में नजर आने वाले हैं। फिल्म में उनके साथ मृणाल ठाकुर भी हैं। अदिवि शेष का कहना है कि डकैत, हिंसक बैकड्रॉप में रची गई एक ऐसी प्रेम कहानी है, जिसमें दो किरदारों के बीच प्यार और नफरत का एक बेहद बारीक और गहरा संघर्ष दिखेगा।

यह प्रेम कहानी होने के बावजूद आपने शीर्षक 'डकैत' क्यों चुना?

फिल्म का विचार हमारे सिनेमाई जुनून और पुरानी यादों का मेल है। मैं और मेरे करीबी दोस्त व निर्देशक शनि, हम दोनों ही 'द मैग्निफिसेंट सेवन' और 'द गुड, द बैड एंड द अग्ली' जैसी क्लासिक काउबॉय फिल्मों के प्रशंसक रहे हैं। काफी समय से मेरा मन एक प्रेम कहानी पर काम करने का था, लेकिन मैं उसे पारंपरिक रूप में नहीं देखना चाहता था। हमने सोचा, क्या होगा अगर तपते रेगिस्तान, रेल की पटरियों, बंदूकों और खून-खराबे के उस खौफनाक काउबॉय माहौल के बीच एक 'एंग्री लव स्टोरी' बुनी जाए? बस, इसी कल्पना ने 'डकैत' को जन्म दिया। यह असल में डकैती के हिंसक बैकड्रॉप में रची गई एक ऐसी प्रेम कहानी है, जहां दो किरदारों के बीच प्यार और नफरत का एक बेहद बारीक और गहरा संघर्ष चलता है।

क्या लीड पेयर पूरी तरह से डकैती से जुड़ा है?

देखिए जब माहौल ही इतना कठोर हो, तो किरदारों को भी उसी रंग में ढलना पड़ता है। यही वजह है कि यह कहानी एक बिल्कुल अलग और यूनिक संयोजन बनकर सामने आई है। आमतौर पर दर्शक या तो पूरी तरह एवशन से भरी फिल्म देखते हैं, या फिर एक ऐसी प्रेम कहानी, जहां भावनाएं आंसुओं और गीतों में बहती हैं। लेकिन हमने इस सोच को थोड़ा मोड़ा। हमने तय किया कि इस बार प्यार की बात तो होगी, लेकिन उस नरम, मासूम अंदाज में नहीं, बल्कि गुस्से, टकराव और तीखे जज्बातों के साथ। यानी यह एक ऐसी प्रेम कहानी है, जहां भावनाएं दबी नहीं रहती, बल्कि खुलकर, तेज और कभी-कभी चिल्लाते हुए सामने आती हैं।

इस फिल्म में आपने प्यार का कौन सा अनछुआ पहलू छुआ है?

फिल्म 'डकैत' की प्रेम कहानी पारंपरिक सामाजिक संघर्षों, जैसे जाति, धर्म या अमीरी-गरीबी तक सीमित नहीं है। इसका केंद्र किरदारों की आंतरिक संवेदनाएं और उनके निजी अनुभव हैं। यहां प्रेम को एक बेहद व्यक्तिगत एहसास की तरह दिखाया गया है, जो माता-पिता और संतान के रिश्ते जितना गहरा हो सकता है। जब भावनाएं इतनी निजी हो जाती हैं, तो उनका प्रभाव भी अनोखा बनता है। कहानी इस बात को टटोलती है कि कोई रिश्ता क्यों खास बनता है और टूटने पर भीतर क्या बदल जाता है, यही इसकी असली ताकत है।

' एक्शन और इसकी कोरियोग्राफी आपके लिए कैसी रही?

मैं अपनी एक्शन कोरियोग्राफी के लिए जाना जाता हूं। मैं नियमित रूप से 'मास' फिल्में नहीं करता, बल्कि मुझे 'हाइपर-रियल' एवशन पसंद है, जो दिखने में असली भी लगे और ग्लैमरस भी। अगर मेरी फिल्म में कोई बंदा हवा में उड़ रहा है, तो उसके पीछे एक तार्किक कारण होना चाहिए। इस फिल्म के निर्देशक सुनील, जो मेरे बहुत अच्छे दोस्त भी हैं, उन्होंने सिनेमैटोग्राफी की थी। वह अब डायरेक्टर बन गया है। हम दोनों की एक्शन को लेकर जो अमेरिकन सेंसिबिलिटी है, उसे हम इस फिल्म में लेकर आए हैं। हॉलीवुड की तकनीक और जिस तरह से वे एक्शन को कट और डायरेक्ट करते हैं, हमने उसे इस्तेमाल किया है।

अनुराग कश्यप से इस प्रोजेक्ट को लेकर पहली बार कब बात हुई?

मेरे दोस्त शोभिता धुलिपाला और नागा चैतन्य की शादी का मौका था, जहां अनुराग कश्यप भी मौजूद थे। मैंने मौका देखते ही अनुराग सर का हाथ पकड़ा और उसी माहौल में उन्हें 'डकैत' की कहानी सुनानी शुरू कर दी। शादी के जश्न के बीच ही मैंने उन्हें फिल्म के लिए पिच किया और इसी तरह वे हमारे इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन गए।

आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक विकास के लिए व्यापक सर्वेक्षण आवश्यक - डॉ. कुसमरिया

पिछड़ा वर्ग के सामाजिक विसंगतियों को दूर करना-पि. वर्ग आयोग अध्यक्ष निषाद

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मध्यप्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया ने कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग के आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक विकास के लिए व्यापक सर्वेक्षण अत्यंत आवश्यक है, जिसे सांख्यिकीय विभाग को सौंपा जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि पंचायत स्तर पर प्रतिवर्ष सम्मान कार्यक्रम आयोजित किए जाएं तथा देशभर के पिछड़ा वर्ग आयोगों का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर साझा मुद्दों और प्रस्तावों पर चर्चा की जाए। छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें मध्यप्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया मुख्य अतिथि के रूप में उक्त विचार व्यक्त किए। उन्होंने अपने छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान आयोग के कार्यों की समीक्षा की तथा विभिन्न महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष नेहरू राम निषाद ने कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग में शामिल विभिन्न जातियों की सामाजिक स्थिति, ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों में विविध रूप में देखने को मिलती है। उन्होंने सामाजिक विसंगतियों को दूर करने और समाज के अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

बैठक में पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष आर.एस. विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष श्रीमती चंद्रकांति वर्मा, मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भरत लाल मटियारा, उपाध्यक्ष डॉ. लखन धीवर, रजकाकार विकास बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद रजक सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सचिव द्वारा पावर पाइंट प्रजेन्टेशन के माध्यम से प्रस्तुतीकरण के माध्यम से छत्तीसगढ़ में पिछड़ा वर्ग के हितों के संरक्षण और संवर्धन हेतु किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने आयोग की संरचना, शक्तियों तथा प्राप्त शिकायतों एवं जाति समावेशन से जुड़े प्रकरणों की विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक में अन्य पदाधिकारियों ने भी अपने विचार रखे और पिछड़ा वर्ग के उत्थान के लिए समन्वित प्रयासों पर बल दिया।

खास खबर

पुलिस के हाथ लंबे लेकिन रसूखदारों तक पहुंच कर भी नहीं पकड़ पा रहे : चंद्राकर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने प्रदेश की पुलिसिया कार्यप्रणाली पर कई प्रश्न उठाए हैं। एक तरफ उन्होंने रोजाना छूटभइये अपराधियों की धर पकड़ करने के लिए पुलिस प्रशासन की प्रशंसा की है वहीं दूसरी तरफ सवाल खड़े किए हैं कि पुलिस के हाथ रसूलदारों तक पहुंच कर भी उन्हें क्यों नहीं पकड़ पा रहे। महादेव एप, सट्टा एवं अन्य अपराधों में रोज अपराधी पकड़ा रहे हैं लेकिन रसूखदार मजे में हैं।

प्रदेश में चल रहे महादेव एप, अफीम की खेती और वैशाली नगर विधायक की जान को खतरा जैसे मामलों का जिक्र करते हुए श्री चंद्राकर ने कहा है कि इन मामलों में पुलिस रोजाना छोटे अपराधियों को पकड़ रही है। लेकिन इन मामलों के पीछे छिपे बड़े लोगों तक पहुंच जाने के बावजूद पुलिस उन पर हाथ नहीं डाल रही। श्री चंद्राकर का कहना है कि आखिरकार पुलिस प्रशासन पर किन लोगों का दबाव है ? महादेव एप का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी पुलिस दुबई तक एप चलाने वाले सौरभ चंद्राकर के नजदीक पहुंच तो गई लेकिन उसकी गर्दन नहीं पकड़ सकी। इस मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नाम को घसीटा गया लेकिन अब पुलिस शांत बैठ गई है।

श्री चंद्राकर ने कहा कि वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रिकेश सेन के अपनी हत्या किए जाने की साजिश को सार्वजनिक किया था लेकिन इस मामले को भी पुलिस ने ठंडे बस्ते में डाल दिया है। विधायक ने बाकायदा मुख्यमंत्री से मिलकर इस साजिश से संबंधित फाइल सौंपी थी बावजूद अभी तक पुलिस ने क्या किया इसकी कोई जानकारी नहीं है। विधायक ने सार्वजनिक रूप से घोषणा की थी कि वह इस साजिश के पीछे सफेद लोगों का नाम उजागर करेंगे लेकिन वह चुप रह गए। इसी तरह पुलिस प्रशासन भी अब तक इस मामले को सुलझा नहीं पाई है या फिर उस पर किसी का दबाव है कि वह इस मामले में चुप्पी रखे।

श्री चंद्राकर का कहना है कि इन मामलों का खुलासा जिस दिन भी होगा शासन प्रशासन में बैठे बड़े बड़े लोगों के चेहरे उजागर होंगे और प्रदेश की सरकार यह नहीं चाहती। इसलिए इन सभी मामलों को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। कभी-कभी दिखावे के लिए छुटपुट कार्रवाई कर दी जाती है ताकि जनमानस का ध्यान बड़े मामलों से हट जाए।

छग 31 मार्च 2026 तक सशस्त्र नक्सलवाद से होगा पूर्णत : मुक्त - उपमुख्यमंत्री शर्मा

जल, जंगल और जमीन बस्तर के लोगों की है, उसका संरक्षण व विकास में स्थानीय समुदाय की प्रमुख भूमिका होगी

नई दृष्टिबिंदु / जगदलपुर

जगदलपुर में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने दृढ़ विश्वास के साथ कहा कि राज्य सरकार, केंद्रीय एजेंसियों और सुरक्षा बलों के समन्वित एवं सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप छत्तीसगढ़ 31 मार्च 2026 तक सशस्त्र नक्सलवाद से पूर्णतः मुक्त हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यह केवल एक प्रशासनिक उपलब्धि नहीं, बल्कि बस्तर और समूचे छत्तीसगढ़ के सामाजिक, आर्थिक और मानवीय पुनर्जागरण की दिशा में एक ऐतिहासिक परिवर्तन है।

इस अवसर पर नारायणपुर विधायक एवं मंत्री केदार कश्यप, जगदलपुर विधायक किरण सिंहदेव, डीजीपी अरुण देव गौतम, पुलिस महानिदेशक एंटी नक्सल ऑपरेशन विवेकानंद, नक्सल उन्मूलन से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी, एडीजी सीआरपीएफ, बस्तर कमिश्नर, आईजी सुंदरराज पी., बीजापुर के पुलिस अधीक्षक सहित विभिन्न केंद्रीय एवं राज्य सुरक्षा बलों के अधिकारी उपस्थित रहे। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि अगस्त 2024 में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा घोषित समय-सीमा के अनुरूप राज्य सरकार ने एक सुनियोजित रणनीति के तहत कार्य किया, जिसका सकारात्मक परिणाम आज स्पष्ट रूप से सामने आ रहा है। इसी क्रम में हाल ही में डीकेजेडसी स्तर के नक्सली पापा राव ने अपने साथियों एवं हथियारों सहित पुनर्वास कर मुख्यधारा में वापसी की है। यह घटना न केवल सुरक्षा दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह इस बात का भी प्रमाण है कि अब नक्सल संगठन का शीर्ष ढांचा भी कमजोर पड़ चुका है। उन्होंने कहा कि बस्तर के समाज ने भी खुले मन से इन पुनर्वासित लोगों को स्वीकार कर सामाजिक समरसता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है।

उन्होंने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि पिछले दो वर्षों में लगभग 3 हजार से अधिक नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर पुर्नवास किया है, जिसमें सीसी मेंबर से लेकर विभिन्न स्तरों के कैडर शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 2 हजार से अधिक नक्सलियों की गिरफ्तारी हुई है तथा लगभग 500 से अधिक नक्सली मुठभेड़ों में निष्प्रभावी (न्यूट्रलाइज) किए गए हैं। इस प्रकार कुल मिलाकर 5000 से अधिक सशस्त्र कैडर में कमी आई है, जो नक्सल संगठन की रीढ़ को कमजोर करने वाला निर्णायक कारक सिद्ध हुआ है। वर्तमान स्थिति में डीकेजेडसी स्तर का कोई सक्रिय माओवादी छत्तीसगढ़ में शेष नहीं है और केवल 30 से 40 की सीमित संख्या में नक्सली उत्तर एवं दक्षिण के दूरस्थ क्षेत्रों में बचे हैं, जिनके भी शीघ्र पुर्नवास करने की संभावना व्यक्त की गई है। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन केवल सुरक्षा अभियानों का परिणाम नहीं, बल्कि विश्वास, संवाद और पुर्नवास नीति की सफलता का भी परिचायक है।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि बस्तर संभाग सहित कबीरधाम, खैरागढ़-छुईखदान, राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी, धमतरी, गरियाबंद और महासमुंद जैसे जिले, जो कभी नक्सल प्रभाव से प्रभावित रहे थे, अब पूरी तरह इस समस्या से मुक्त हो चुके हैं। बस्तर का लगभग 95 प्रतिशत से अधिक भौगोलिक क्षेत्र अब नक्सल प्रभाव से बाहर आ चुका है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि सुरक्षा बलों के अहितीय साहस, रणनीतिक दक्षता और कठिन परिस्थितियों में निरंतर किए गए प्रयासों का परिणाम है। केंद्रीय और राज्य के सुरक्षा बलों के जवानों ने विषम परिस्थितियों में अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए अद्भुत पराक्रम का परिचय दिया है, जिसके लिए पूरा प्रदेश उनका ऋणी है।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के 'लाल आतंक से मुक्ति' के संकल्प, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह द्वारा निर्धारित समय-सीमा और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में यह अभियान निरंतर सफलता की ओर अग्रसर है। उन्होंने इसरो, एनटीआरओ, आईटीबीपी और एनएसजी जैसी संस्थाओं द्वारा प्राप्त तकनीकी सहयोग को भी महत्वपूर्ण बताया, जिसने अभियान को और अधिक प्रभावी बनाया।

उन्होंने कहा कि बस्तर अब भय और हिंसा के अतीत से बाहर निकलकर शांति, विकास और संभावनाओं की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने दोहराया कि जल, जंगल और जमीन बस्तर के लोगों का है और उसके संरक्षण एवं विकास में स्थानीय समुदाय की ही प्रमुख भूमिका होगी। उपमुख्यमंत्री ने पूर्ण विश्वास के साथ कहा कि निर्धारित समय-सीमा तक छत्तीसगढ़ सशस्त्र नक्सलवाद से मुक्त होकर देश के लिए शांति, विकास और सुशासन का एक आदर्श मॉडल बनकर उभरेगा।

नक्सलियों ने हिंसा का मार्ग छोड़कर मुख्यधारा को अपनाया

उन्होंने इस अभियान में समाज की सहभागिता को भी अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि हमारे बस्तर के पत्रकार साथियों द्वारा किए गए प्रयास, पंचायती राज संस्थाओं के जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भूमिका तथा बस्तर के स्थानीय मुरिया, मारिया, गोंड और हलबा समाज के प्रमुखों का सहयोग इस अभियान की सफलता के प्रमुख आधार रहे हैं। इसके साथ ही पत्रकारों ने भी जनजागरण, संवाद और विश्वास निर्माण में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि इन सभी प्रयासों के कारण बड़ी संख्या में नक्सलियों ने हिंसा का मार्ग छोड़कर मुख्यधारा को अपनाया, जिससे अनेक जिंदगियां बच सकीं और बस्तर को भय और रक्तपात के वातावरण से बाहर निकालने में सफलता मिली।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार केवल नक्सलवाद के उन्मूलन तक सीमित नहीं है, बल्कि बस्तर के सर्वांगीण विकास के लिए भी समान रूप से प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि पुनर्वास नीति के तहत बस्तर ओलंपिक का आयोजन कर युवाओं को खेल के क्षेत्र में अवसर प्रदान किया गया, जिससे उनकी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा मिली। इसी प्रकार बस्तर पंडुम के माध्यम से स्थानीय संस्कृति, परंपरा और लोकजीवन को संरक्षित और प्रोत्साहित करने का कार्य किया गया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बस्तर के युवा आने वाले समय में राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी अपनी प्रतिभा का परचम लहराएंगे।

उन्होंने यह भी बताया कि बस्तर के आंतरिक क्षेत्रों में स्थापित लगभग 400 सुरक्षा कैंपों को चरणबद्ध तरीके से विकास केंद्रों में परिवर्तित किया जाएगा। भविष्य में ये कैंप थाना, स्कूल, अस्पताल तथा लघु वनोपज संग्रहण एवं प्रसंस्करण केंद्रों के रूप में कार्य करेंगे, जिससे स्थानीय लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे तथा क्षेत्र में स्थायी विकास की आधारशिला मजबूत होगी।

हाथ से बुने हुए परम्परागत वस्त्र हमारे सनातन धर्म सभ्यता की पहचान - देवेश मिश्रा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

हाथ से बुने हुए परम्परागत वस्त्र हमारे सनातन धर्म सभ्यता की पहचान है, यह जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में शुद्धता, संयम, एकाग्रता एकता, श्रम से कार्य करते रहने की प्रेरणा देता है। उक्त विचार भगवा पार्टी छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष देवेश मिश्रा ने आज स्टील क्लब भिलाई में केंद्रीय हाथकरघा विभाग भारत सरकार द्वारा आयोजित हाथकरघा प्रदर्शनी कार्यक्रम के समापन पर व्यक्त किये।

स्वदेशी अपनाओ देश बचाओ को चरितार्थ करता यह प्रदर्शनी जहाँ एक ओर देश भक्ति का जज्बा तैयार करता है वही दूसरी ओर कारीगरों को रोजगार और अपनी प्राचीन धरोहर को संजोये रखने की प्रेरणा देता है।

इस दौरान बुनकर सेवा केंद्र रायगढ़ के सहायक संचालक विजय सावनेरकर ने विभिन्न स्थानों से पहुंचे शिल्पीयों के कार्यों व वस्त्रों की विस्तृत जानकारी श्री मिश्रा को दी। प्रदर्शनी स्थल पर ही एक कारीगर द्वारा हाथकरघा से साड़ी बुनकर भी प्रदर्शन किया, जो कि बहुत ही अनुभव देने वाला रहा। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष देवेश मिश्रा के साथ भगवा पार्टी के प्रदेश महासचिव ज्ञानेश्वर प्रसाद ताम्रकार,हीरेन्द्र साहू, हर्षा मिश्रा,सीताराम ठाकुर,मीना बिष्ट,अतुल शुक्ला उपस्थित थे।

विवादित राजदूत बार को नियमों के विपरीत लाइसेंस देने की तैयारी

आवेदक अभय कोटड़िया को कलेक्टर ने न्याय का दिया आश्वासन, अब निगाहें प्रशासनिक कार्रवाई पर

नरेन्द्र डाकलिया / राजनांदगांव

शहर के बहुचर्चित राजदूत होटल स्थित प्रस्तावित बार लाइसेंस प्रकरण ने अब गंभीर प्रशासनिक और कानूनी सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि विवादित भूमि, अवैध निर्माण, विभागीय आपत्तियों और प्रतिकूल रिपोर्टों के बावजूद आवकारी विभाग कथित रूप से राजदूत बार को नियमों के विपरीत लाइसेंस देने की तैयारी में जुटा हुआ है।

इस पूरे मामले में शिकायतकर्ता अभय कोटड़िया ने जिला प्रशासन के समक्ष आपत्ति दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि लगभग 1800 वर्गफीट क्षेत्र में अवैध निर्माण कर बार संचालन की जमीन तैयार की गई है, जबकि इस संबंध में प्राप्त विभिन्न रिपोर्टें और तथ्यों का रिकॉर्ड लाइसेंस जारी करने के पक्ष में नहीं है।

मामला जब कलेक्टर जनदर्शन तक पहुंचा, तब शिकायतकर्ता ने पूरे प्रकरण को दस्तावेजों सहित प्रस्तुत करते हुए प्रशासन से निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग की। बताया जा रहा है कि जिलाधीश ने आवेदक अभय कोटड़िया को न्याय मिलने का आश्वासन दिया है। अब बड़ा सवाल यह है कि जब जिले में आम नागरिकों की शिकायतों पर प्रशासन त्वरित कारवाई कर न्याय दिलाने की मिसाल पेश करता रहा है, तो क्या इस संवेदनशील और प्रभावशाली लॉबी से जुड़े मामले में भी वैसी ही निष्पक्षता दिखाई जाएगी ?

शिकायतकर्ता का आरोप है कि जिला प्रशासन द्वारा सुलह और विधिसम्मत समाधान के निर्देश दिए जाने के बावजूद इस प्रकरण में सक्रिय शराब लॉबी कथित रूप से मामले को प्रभावित करने, दबाव बनाने और संबंधित पक्षों को खरीदने की कोशिश कर रही है। यदि यह आरोप सही हैं, तो यह न केवल प्रशासनिक व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि प्रभाव और पहुंच के दम पर नियमों को दरकिनार करने की कोशिश की जा रही है।

सबसे गंभीर प्रश्न यह उठ रहा है कि जब इस पूरे मामले में उपलब्ध रिपोर्टें, आपत्तियां और तथ्य लाइसेंस देने के विपरीत बताए जा रहे हैं, तब फिर आबकारी विभाग इतनी तत्परता क्यों दिखा रहा है ?

शिकायतकर्ता पक्ष का कहना है कि विभाग कथित रूप से उच्चाधिकारियों को अधूरी या भ्रामक जानकारी देकर इस लाइसेंस को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। यदि ऐसा है, तो यह मामला सिर्फ एक बार लाइसेंस का नहीं, बल्कि प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही का भी बन जाता है।

अवैध निर्माण पर भी उठे सवाल : मामले का दूसरा अहम पहलू अवैध निर्माण से जुड़ा है। आरोप है कि करीब 1800 वर्गफीट क्षेत्र में बिना वैधानिक स्वीकृति के निर्माण कार्य किया गया, जो लाइसेंस प्रक्रिया की मूल शर्तों और भवन नियमों पर भी सवाल खड़ा करता है।

ऐसी स्थिति में यह अपेक्षा की जा रही है कि संबंधित नगर निगम, राजस्व, पुलिस, अग्निशमन, खाद्य एवं औषधि, आबकारी और अन्य विभागों की रिपोर्टों का पुनः परीक्षण कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट की जाए। शहर में यह चर्चा भी जोर पकड़ रही है कि यदि आम नागरिक के छोटे-से निर्माण या दस्तावेजी त्रुटि पर कार्रवाई हो सकती है, तो फिर विवादित और आपत्तियों से घिरे बार लाइसेंस पर नियमों को शिथिल क्यों और कैसे किया जा रहा है।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की शुरुआत छत्तीसगढ़ से होना ऐतिहासिक - डॉ. मांडविया

जनजातीय शक्ति का खेल महाकुंभ : देश के प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ की धरती आज एक ऐतिहासिक क्षण की साक्षी बनी, जब राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज ग्राउंड में देश के प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस राष्ट्रीय आयोजन की आधिकारिक घोषणा करते हुए स्पष्ट किया कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और खेल अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। यह खेल महाकुंभ 25 मार्च से 3 अप्रैल तक रायपुर के साथ-साथ बस्तर और सरगुजा में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देशभर के 30 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों से लगभग 2500 खिलाड़ी 9 खेल विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। कार्यक्रम में हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की और ओलंपिक पदक विजेता सुश्री साइखोम मीराबाई चानू की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गौरव प्रदान किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने संबोधन में कहा कि यह छत्तीसगढ़ के लिए सौभाग्य का विषय है कि प्रभु श्रीराम के ननिहाल में देश के पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का आयोजन हो रहा है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया का छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता की ओर से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य में खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। बस्तर ओलंपिक में 4 लाख तथा सरगुजा ओलंपिक में साढ़े तीन लाख लोगों की भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि जनजातीय समाज में खेलों के प्रति गहरी रुचि है। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि आत्मसमर्पित नक्सली भी नुआबाट (नई राह) के माध्यम से मुख्यधारा में लौटकर इन आयोजनों में सहभागी बने—जो परिवर्तन और विश्वास का प्रतीक है।

उन्होंने बताया कि रायपुर और बिलासपुर में खेलो इंडिया के तहत रेजिडेंशियल अकादमियां संचालित हैं, जबकि जशपुर, रायगढ़ और रायपुर में इंटीग्रेटेड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया जा रहा है। राज्य सरकार ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए चयनित खिलाड़ियों को 21 लाख रुपए, स्वर्ण पदक विजेताओं को 3 करोड़, रजत पदक विजेताओं को 2 करोड़ और कांस्य पदक विजेताओं को 1 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि निर्धारित की है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि नवा रायपुर में स्थित देश के दूसरे सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम का नामकरण जनजातीय नायक शहीद वीर नारायण सिंह के नाम पर किया गया है, जो राज्य के गौरव और प्रेरणा के प्रतीक हैं। जनजातीय संस्कृति, इतिहास और गौरव से जुड़ा आयोजन मुख्यमंत्री ने देशभर से आए खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ न केवल प्रभु श्रीराम का ननिहाल है, बल्कि यह जनजातीय शौर्य और बलिदान की भूमि भी है। उन्होंने शहीद वीर नारायण सिंह, गेंद सिंह और गुण्डाधुर जैसे नायकों का उल्लेख करते हुए बताया कि नवा रायपुर में उनके सम्मान में म्यूजियम बनाया गया है, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया है। उन्होंने खिलाड़ियों से इस म्यूजियम का अवलोकन करने का आग्रह भी किया।

केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की शुरुआत छत्तीसगढ़ से होना ऐतिहासिक है और आने वाले वर्षों में भी यह श्रृंखला जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि एक संतुलित जीवन शैली है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेल संस्कृति के विस्तार का उल्लेख करते हुए कहा कि फिट इंडिया और ह्यखेलो इंडिया जैसे अभियानों ने खेलों को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि देश की 65 प्रतिशत से अधिक युवा आबादी में अपार क्षमता है और अब खेल प्रतिभाएं केवल शहरों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जनजातीय क्षेत्रों से भी उभर रही हैं।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि नवरात्रि के पावन अवसर पर भगवान राम के ननिहाल में इस आयोजन का शुभारंभ होना अत्यंत शुभ संयोग है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के जनजातीय समाज ने सदैव देश को वीरता और परिश्रम की प्रेरणा दी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खेलों को नई दिशा मिल रही है और ह्यट्राइबल गेम्सह्ण इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि यह आयोजन ऐतिहासिक है और देशभर से आए खिलाड़ियों के स्वागत के लिए पूरा छत्तीसगढ़ उत्साहित है। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स जनजातीय प्रतिभाओं को विश्व मंच तक ले जाने का सशक्त माध्यम बनेगा और स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा किए जा रहे प्रयासों का लाभ प्रदेश के खिलाड़ियों को मिलेगा।

इस अवसर पर संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, विधायक सुनील सोनी, अनुज शर्मा, मोतीलाल साहू, पुरंदर मिश्रा, इंद्र कुमार साव, महापौर श्रीमती मीनल चौबे, मुख्य सचिव विकासशील सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण, बड़ी संख्या में खेल प्रेमी और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

॥ जय श्री राम ॥

आप सभी को रामनवमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

मा. प्रेम प्रकाश पाण्डेय जी
(पूर्व विधानसभा अध्यक्ष,
केबिनेट मंत्री, छ.ग. शासन)

मनीष पाण्डेय जी
(युवा विंग - अध्यक्ष)

रमेश माने जी

मुरलीधर अग्रवाल जी

राजेन्द्र अरोड़ा जी

अनिल सोनी जी

मध्य भारत का सबसे भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन

श्री रामनवमी महोत्सव – 41वाँ वर्ष

भक्ति, श्रद्धा और आस्था के अद्भुत संगम में
आप सभी का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन

✨ **मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम के पावन जन्मोत्सव पर**
भव्य आयोजन एवं महाआरती के साथ

🪔 **विशेष आकर्षण: "एक मुट्ठी दान – श्री राम के नाम"**
जनसहयोग से निर्मित महाप्रसाद का वितरण

📍 **स्थान: श्री रामलीला मैदान (वूलन मार्केट), सेक्टर-1, भिलाई**
📅 **दिनांक: गुरुवार, 26 मार्च 2026**
🕔 **समय: संध्या 5:00 बजे से**

🙏 **समस्त रामभक्तों, सनातन धर्मावलंबियों एवं क्षेत्रवासियों से विनम्र आग्रह है कि इस पावन अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर पुण्य लाभ प्राप्त करें।**

🚩 **आइए, धर्म और संस्कृति के इस महोत्सव का हिस्सा बनें** 🚩

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंदु स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।